मार्गशीर्ष शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 127 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 02-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी : पीवी सिंधू

6 दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

7 श्रीवल्ली के बिना पुष्पा फ्रेंचाइजी अधूरी : अल्लू अर्जुन

फर्स्ट टेक

जय शाह ने आईसीसी प्रमुख का कार्यभार संभाला

दुबई/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निवर्तमान सचिव जय शाह ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। शाह का तात्कालिक लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर उत्पन्न गतिरोध को समाप्त करने का होगा। इसके साथ उनके सामने क्रिकेट को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य ओलंपिक खेल बनाने की चुनौती होगी। वह इस वैश्विक संस्था का नेतृत्व करने वाले पांचवें भारतीय हैं। छत्तीस साल के शाह पिछले पांच वर्षों से बीसीसीआई सचिव हैं। वह आईसीसी के निदेशक मंडल की सर्वसम्मत पसंद थे। शाह ने न्यूजीलैंड के वकील ग्रेग बार्कले का स्थान लिया, जो लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने के इच्छुक नहीं थे। शाह से पहले व्यवसायी दिवंगत जगमोहन डालमिया, राजनेता शरद पवार, वकील शशांक मनोहर और उद्योगपति एन श्रीनिवासन विश्व क्रिकेट संस्था का नेतृत्व करने वाले भारतीयों में शामिल रहे हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड को भंग किया

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने सुशासन को बढ़ावा देने, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करने और बोर्ड का कुशलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के लिए आंध्र प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने 21 अक्टूबर, 2023 को जारी एक सरकारी आदेश (जीओ) को रद्द कर दिया, जिसके तहत 11 सदस्यीय वक्फ बोर्ड में तीन सदस्यों का चुनाव किया गया था और सात अन्य को नामित किया गया था। सरकार के सचिव के. हर्षवर्धन ने शनिवार को जारी एक सरकारी आदेश में कहा, सुशासन बनाए रखने, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और वक्फ बोर्ड के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के हित में, सरकार तत्काल प्रभाव से जीओ एमएस संख्या 47 (जिसके तहत बोर्ड का गठन किया गया था) को वापस लेती है।

प्लास्टिक प्रदूषण पर नहीं बनी सहमति, देशों की बैठक बिना समझौते के समाप्त

नई दिल्ली/भाषा। प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए संधि को अंतिम रूप देने के लिए दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित वैश्विक बैठक में देश प्लास्टिक उत्पादन और वित्त पोषण की सीमा तय करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने में विफल रहे और रविवार को यह बैठक बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। यह अंतर-सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की पांचवीं बैठक थी।

कमजोर पड़ा 'फेंगल'

बारिश से पुडुचेरी, तमिलनाडु के विल्लुपुरम में आम जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/चेन्नई। पुडुचेरी के पास शनिवार को पहुंचा चक्रवात 'फेंगल' रविवार को कमजोर पड़ गया। हालांकि, इसके प्रभाव से केंद्र-शासित प्रदेश में होने वाली मूसलाधार बारिश की वजह से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और बाढ़ग्रस्त सड़कों पर फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना को आगे आना पड़ा। बुजुर्गों ने कहा कि पुडुचेरी में पिछले तीन दशक में प्रकृति का ऐसा प्रकोप नहीं देखा गया था।

पड़ोसी तमिलनाडु के विल्लुपुरम में भी बारिश और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जिले में बारिश को 'अभूतपूर्व' करार दिया। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई हवाई अड्डे पर परिचालन आधी रात के बाद फिर से शुरू हो गया, लेकिन शुरुआत में कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और कई विमानों ने देरी से उड़ान भरी। हालांकि, बाद में दिन में परिचालन सामान्य हो गया। चक्रवात के मद्देनजर चेन्नई हवाई अड्डे पर सेवाएं शनिवार को निलंबित कर दी गई थीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से उपलब्ध कराई गई ताजा जानकारी के मुताबिक, चक्रवात फेंगल' कमजोर पड़कर गहरे दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया है।

आईएमडी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी के पास पहुंचा चक्रवाती तूफान 'फेंगल' पिछले 12 घंटों के दौरान व्यावहारिक रूप से स्थिर रहा और अब यह कमजोर होकर एक गहरे दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है और एक दिसंबर 2024 को पूर्वाह्न 11.30 बजे पुडुचेरी के करीब, कुड्डालोर से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में, विल्लुपुरम से 40 किलोमीटर पूर्व में और चेन्नई से 120 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में अक्षांश 12.0 डिग्री उत्तर और 79.8 डिग्री पूर्व देशांतर के पास उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। पोस्ट के मुताबिक, चक्रवात के अगले 12 घंटे के दौरान बहुत धीमी गति से पश्चिम की तरफ बढ़ने और उत्तरी तमिलनाडु में धीरे-धीरे कमजोर होकर दबाव में बदलने की संभावना है।

हर दंपति को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या वृद्धि में गिरावट पर चिंता जताते हुए रविवार को कहा कि भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) मौजूदा 2.1 के बजाए कम से कम तीन होनी चाहिए। टीएफआर का तात्पर्य एक महिला द्वारा जन्म दिए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या से है।

नागपुर में 'कठाले कुलसम्मेलन' में उन्होंने परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला और आगाह किया कि जनसंख्या विज्ञान के अनुसार, यदि किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे जाती है, तो यह विलुप्त होने के कगार पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा, जनसंख्या में कमी गंभीर चिंता का विषय है। जनसांख्यिकी अध्ययनों से पता चलता है कि जब किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे जाती है, तो उसके विलुप्त होने का खतरा होता है। इस गिरावट के लिए जरूरी नहीं कि बाहरी खतरे हों; कोई समाज धीरे-धीरे अपने आप ही विलुप्त हो सकता है। भागवत ने कहा, इस मुद्दे के कारण कई भाषाएं और संस्कृतियां पहले ही विलुप्त हो चुकी हैं। इसलिए, प्रजनन दर को 2.1 से ऊपर बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुटुंब (परिवार) समाज का अभिन्न अंग है और हर परिवार की समाज के गठन में अहमियत है।

ट्रंप ने दी ब्रिक्स को चेतावनी

मुद्रा के रूप में डॉलर इस्तेमाल नहीं करने पर लगेगा 100 प्रतिशत शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी डॉलर की जगह किसी दूसरी मुद्रा के इस्तेमाल को लेकर ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी।

ट्रंप ने भारत, रूस, चीन और ब्राजील समेत नौ देशों के समूह ब्रिक्स से यह वादा करने को कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे।

साल 2009 में स्थापित ब्रिक्स एकमात्र बड़ा अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें अमेरिका शामिल नहीं है। ब्रिक्स के अन्य सदस्य दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथोपिया और संयुक्त अरब अमीरात हैं। बीते कुछ वर्षों में ब्रिक्स देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर के विकल्प के तौर पर ब्रिक्स की अपनी मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि भारत अभी तक ऐसे किसी कदम में शामिल नहीं रहा है। ट्रंप ने शनिवार को ब्रिक्स देशों को ऐसे किसी भी कदम को लेकर आगाह किया।

ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम मूकदर्शक बनकर देखते रहें, वह दौर अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि वे देश वादा करें कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा और उन्हें अद्भुत अमेरिकी बाजारों में अपना सामान बेचने की उम्मीद छोड़ देनी होगी।

भारत अब उम्मीद और संभावनाओं का देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर, (उप्र)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को यहां आईआईटी कानपुर के विद्यार्थियों से विकास के लिए स्मार्ट, समाधान-उन्मुख व सतत नवाचारों पर काम करने और पराली जलाने की समस्या का समाधान खोजने का आह्वान किया।

धनखड़ ने कानपुर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के 'भारत के विकास में नवाचार की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक के क्षेत्रों में समाधान उन्मुख नवाचार के लिए वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समझना आवश्यक है। उन्होंने आत्मीयता दर्शाते हुए कहा, मेरे युवा मित्रों, इसके लिए आरामदायक क्षेत्रों से बाहर निकलना और पूरे भारत में विविध हितधारकों के साथ जुड़ना आवश्यक है। मैं इस पर ध्यान केंद्रित करूंगा क्योंकि मैं आईआईटी कानपुर से एक भावुक अपील करने आया हूं।''

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से पराली की समस्या का समाधान खोजने का आह्वान किया

धनखड़ ने रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, धनखड़ ने अपने संबोधन में कहा कि भारत अब उम्मीद और संभावनाओं का देश है। उन्होंने कहा कि भारत अब आर्थिक उन्नति पर है और अब यह अभूतपूर्व बुनियादी ढांचे वाला देश है।

हैदराबाद में कन्नड़ अभिनेत्री ने की आत्महत्या

हैदराबाद/भाषा। कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री शोबिता एस ने रविवार को यहां अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, टेलीविजन धारावाहिकों में भी काम कर चुकीं शोबिता (32) का शव शयनकक्ष में साड़ी के सहारे छत के पंखे से लगाए गए फंदे से लटका मिला। कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकीं शोबिता पिछले साल अपनी शादी के बाद से हैदराबाद में रह रही थीं। पुलिस ने कहा कि उनकी कथित आत्महत्या के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए घटना की जांच की जा रही है।

एकनाथ शिंदे ने महायुति में मतभेद की अटकलों को फिर से किया खारिज

भारतीय जनता पार्टी के फैसले का समर्थन करेगी शिवसेना

सतारा/एजेन्सी। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महायुति गठबंधन सहयोगियों के बीच किसी भी मतभेद की अटकलों को एक बार फिर खारिज करते हुए रविवार को दोहराया कि वे अच्छे से समन्वय कर रहे हैं।

शिंदे ने रविवार दोपहर यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि शिवसेना राज्य में नई सरकार के गठन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फैसले का समर्थन करेगी। वह शुक्रवार शाम को जिले के अपने पैतृक गांव दरे में विश्राम के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि वह एक आम आदमी हैं, न कि 'सीएम' और गरीबी के बारे में जानते हैं और उन्होंने गरीबों के लिए काम करने का वादा किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के पिछले ढाई वर्षों में महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए 'लड़की बहन' सहित विभिन्न योजनाओं को लागू करके राज्य के लोगों के कल्याण के लिए काम किया।

'सनातन बोर्ड' को शीर्ष संतों ने दी मंजूरी

केंद्र को भेजा जाएगा प्रस्ताव : अखाड़ा परिषद

प्रयागराज/भाषा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने रविवार को कहा कि यहां महाकुंभ में धर्म संसद के दौरान सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव तैयार होगा, जिसे केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में होने वाली धर्म संसद में देश भर के प्रमुख साधु संत हिस्सा लेंगे। महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में पुरी ने कहा, हम चाहते हैं कि जो भी बोर्ड बने वह केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त हो। साथ ही हमारी कोशिश है कि इस बोर्ड में कोई भी त्रुटि नहीं होनी चाहिए। धर्म संसद में चारों पीठ के शंकराचार्य, 13 अखाड़ों के प्रमुख संत और अन्य धर्माचार्यों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य एक सुव्यवस्थित, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड की स्थापना करना है।

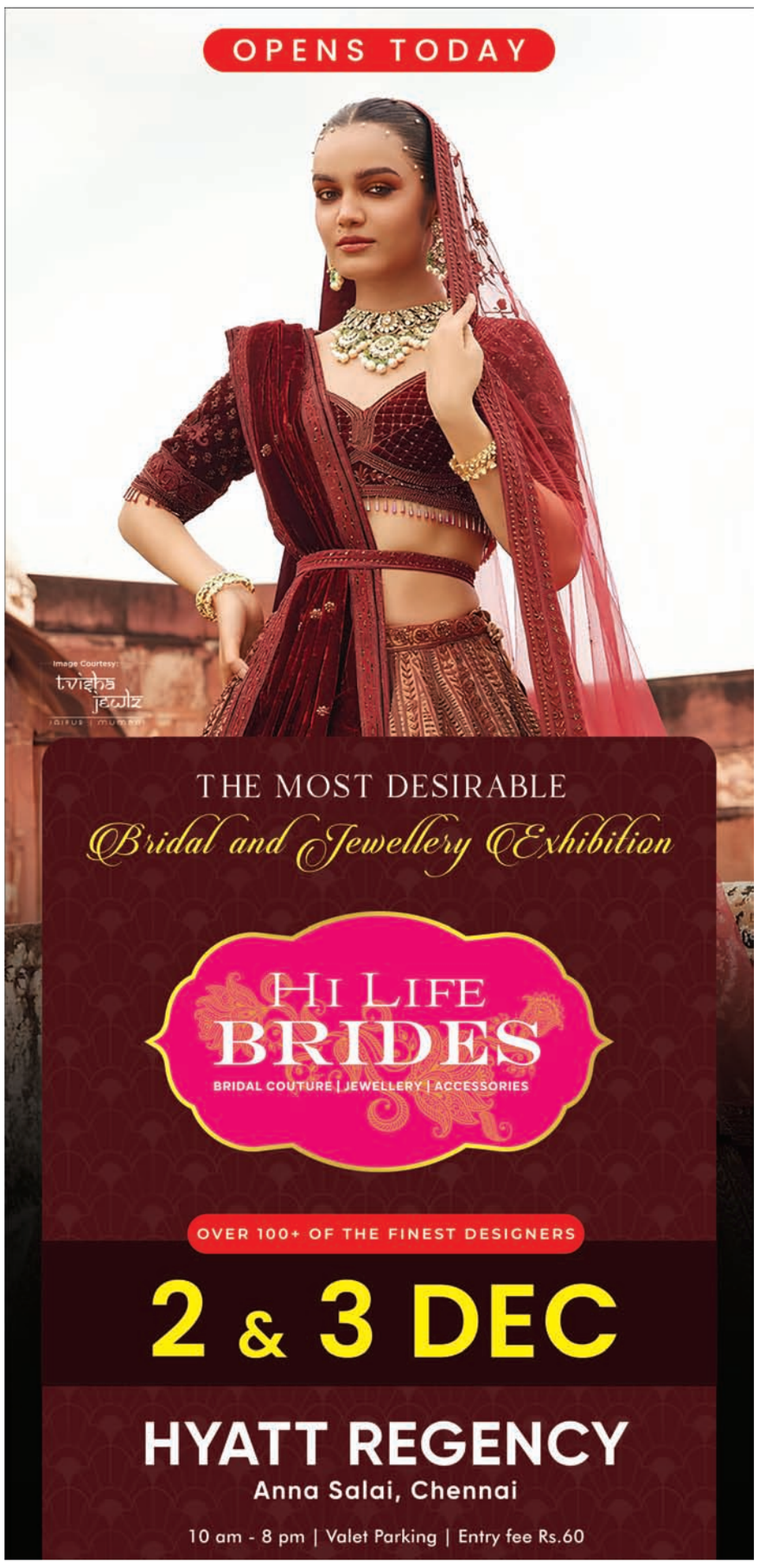

02-12-2024 सूर्यास्त 5:40 बजे	03-12-2024 सूर्योदय 6:16 बजे

BSE	NSE
79,802.79 (+759.05)	24,131.10 (+216.95)

सोना	चांदी
7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	98,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शर्मिंदा सदन

अंटशंट जो बोल रहे कुछ,
नेता वो बकवादी है।
आरोपित करता दूजे को,
ज्यों वादी प्रतिवादी है।
हमने ऐसों को चुन करके,
करी वोट बरबादी है।
शर्मिंदा जो करे सदन को,
ये कैसी आजादी है??

भारत-फ्रांस अब परस्पर मजबूत आर्थिक समझौता करने पर विचार कर रहे हैं : सोफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फ्रांस की विदेश व्यापार मंत्री सोफी प्राइमस ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में घनिष्ठ साझेदारी के बाद भारत और फ्रांस अब विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा, नई प्रौद्योगिकियों और विमानन जैसे क्षेत्रों में आर्थिक और व्यापार संबंधों को पर्याप्त रूप से मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं।

भारत की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के अंत में प्राइमस ने कहा कि फ्रांस 'पारस्परिक रूप से लाभकारी' मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए नई दिल्ली और यूरोपीय संघ के बीच आगे की बातचीत की उम्मीद कर रहा है जो दो-तरफा आर्थिक संबंध का विस्तार कर सकता है। भारत और यूरोपीय संघ ने आठ साल से अधिक के अंतराल के बाद जून 2022 में महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू की, लेकिन कार्बन कर पर 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के रुख सहित कई अन्य कारणों से बातचीत लंबी खिंच गई।

प्राइमस ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं यह भी जोड़ना चाहूंगी कि यूरोपीय संघ के स्तर पर, हम यूरोपीय संघ और भारत के बीच एक व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो पारस्परिक रूप से लाभप्रद है और जिसके महत्वाकांक्षी सतत विकास लक्ष्य हैं। हम यूरोपीय संघ के स्तर पर भारत के साथ आगे की बातचीत की उम्मीद कर रहे हैं। भारत-फ्रांस व्यापार संबंधों पर फ्रांसीसी मंत्री ने कहा कि अब ध्यान आर्थिक जुड़ाव के विस्तार पर है क्योंकि दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक क्षेत्र में पहले से ही एक मजबूत साझेदारी है। फ्रांसीसी विदेश व्यापार मंत्री ने 27 से 29 नवंबर तक भारत का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच अधिक निवेश प्रवाह को प्रोत्साहित करने के तरीकों सहित कई मुद्दों पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत की। उन्होंने एक लिखित जवाब में कहा, भारत एक तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और भारत में फ्रांसीसी निवेश के लिए व्यापक अवसर हैं। हम वैमानिकी, सतत विकास और उभरती प्रौद्योगिकियों में बड़ी संभावनाएं देखते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में दोनों पक्षों के बीच व्यापार संबंध बढ़े हैं, लेकिन दोनों पक्षों का मानना है कि इसे अभी और बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

गैर-प्रवासियों से विवाह करने वाली कश्मीरी पंडित युवतियों के प्रवासी दर्जे में कोई बदलाव नहीं : अदालत

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने कहा है कि कश्मीरी पंडित युवतियों के गैर-प्रवासियों से विवाह करने पर उनके प्रवासी दर्जे में कोई बदलाव नहीं होगा। अदालत ने यह टिप्पणी 'पीएम रोजगार पैकेज' के तहत चयनित दो महिलाओं के पक्ष में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के आदेश को बरकरार रखते हुए की। सीमा कौल और विशालनी कौल ने 2018 में तब उच्च न्यायालय का रुख किया था, जब कश्मीरी प्रवासियों के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के तहत आपदा प्रबंधन राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग में विधि सहायक के पद पर अनंतिम चयन पर रोक लगा दी गई थी कि गैर-प्रवासी व्यक्तियों से विवाह करने की वजह से उन्होंने अपना प्रवासी दर्जा खो दिया है।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ वानी की खंडपीठ ने पिछले महीने सात पृष्ठों के अपने आदेश में कहा, इस अदालत के समक्ष एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रश्न यह उठता है कि क्या एक महिला को, जिसे उसके और उसके परिवार द्वारा झेली गई उस पीड़ा के कारण प्रवासी का दर्जा दिया गया है, जिसके कारण उन्हें कश्मीर घाटी में अपना घर-बार छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा...।

कानून-व्यवस्था का मुद्दों उठाया था, लेकिन मुझ पर ही हमला करा दिया गया : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर कथित निष्क्रियता के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय 30 नवंबर को उनकी पदयात्रा के दौरान उन पर हमला कराया गया।

भाजपा ने अब तक आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केजरीवाल ने कहा, मुझ पर फेंका गया तरल पदार्थ नुकसादायक नहीं था, लेकिन यह खतरनाक हो सकता था। पिछले 35 दिन में मुझ पर हुआ यह तीसरा हमला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर यह संदेश देने का भी आरोप लगाया कि अपराधियों के बजाय शिकायतकर्ताओं को ही गिरफ्तारी का सामना करना पड़ेगा। केजरीवाल ने 'आप' विधायक नरेश बाल्यान की गिरफ्तारी की भी आलोचना की जिन्होंने पहले गैंगस्टरों द्वारा जबरन वसूली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आप विधायक नरेश बाल्यान की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि इससे यह संदेश गया है कि जो लोग अपराध के खिलाफ आवाज उठाएंगे, उन्हें जेल भेजा जाएगा, जबकि गैंगस्टर को संरक्षण दिया जाएगा। केजरीवाल ने दावा किया, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय, अमित शाह और भाजपा ने मुझ पर हमला करा मेरे विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली चुनाव: आठ दिसंबर को 'परिवर्तन यात्रा' शुरू करेगी भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आठ दिसंबर से शहर के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 'परिवर्तन यात्रा' निकालेगी। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को यह जानकारी दी।

अभियान की निगरानी के लिए गठित एक समिति के संयोजक सतीश उपाध्याय ने कहा कि परिवर्तन यात्रा दिल्ली के सभी सात लोकसभा क्षेत्रों में एक साथ शुरू की जायेगी और 20 दिसंबर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। उन्होंने कहा कि यात्राएं पूर्वाह्न 10 बजे विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख धार्मिक स्थलों से शुरू होंगी और उनका समापन रात आठ बजे होगा।

उपाध्याय ने कहा कि भाजपा के शीर्ष राष्ट्रीय नेता और केंद्रीय मंत्री दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ इन यात्राओं में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन नेता दिल्ली के लोगों से मिलने के लिए पदयात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद अपराह्न दो बजे से शाम पांच बजे तक प्रमुख स्थानीय लोगों, महिलाओं, सामाजिक-धार्मिक संगठनों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से बातचीत की जाएगी। उपाध्याय ने बताया कि शाम को फिर से विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख इलाकों में पैदल मार्च निकाला जाएगा।

भाजपा वर्ष 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर है और आम आदमी पार्टी (आप) से सत्ता छीनने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। 'आप' ने 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में क्रमशः 67 और 62 सीट जीती थीं।

हिमाचल प्रदेश में आधुनिक पुस्तकालय स्थापित किए जाएंगे : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में जिला, उपमंडल और पंचायत स्तर पर उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक पुस्तकालय स्थापित किए जाएंगे। पहले चरण में 88 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 493 पुस्तकालयों की योजना बनाई गई है।

रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि शनिवार शाम उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्राचार्यों के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने उच्च रैंकिंग वाले संस्थानों के लिए प्रदर्शन आधारित अनुदान की घोषणा की।

सरकारी डिग्री और संस्कृत कॉलेजों में पुस्तकालयों की ग्रेडिंग जारी करते हुए उन्होंने सभी सरकारी क्षेत्रों में प्रणालीगत परिवर्तन के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थानों के लिए रैंकिंग प्रणाली शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार कॉलेज प्राचार्यों की वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों को बढ़ाने तथा शिक्षा विभाग में विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बिना डिग्री का कोई मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा शिक्षा के आधुनिकीकरण तथा नवीनतम चिकित्सा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए भी अभिनव कदम उठा रही है तथा इस वर्ष इस क्षेत्र के लिए 500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान लगभग 15,000 शिक्षकों के पद सृजित किए गए हैं तथा इन्हें चरणबद्ध तरीके से भरा जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी अवास्तविक: जीटीआरआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स देशों को यह चेतावनी अवास्तविक है कि यदि ब्रिक्स समूह अमेरिकी डॉलर का स्थान लेगा तो वे 100 प्रतिशत सीमा शुल्क लगा देंगे। शोध संस्थान जीटीआरआई ने रविवार को यह विचार रखते हुए कहा कि भारत को एक व्यावहारिक स्थानीय मुद्रा व्यापार प्रणाली विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

साल 2009 में गठित ब्रिक्स एकमात्र ऐसा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है जिसका अमेरिका हिस्सा नहीं है। इसके अन्य सदस्य दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) हैं। पिछले कुछ वर्षों में इसके कुछ सदस्य देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाश रहे हैं या अपनी खुद की ब्रिक्स मुद्रा बना रहे हैं। भारत अभी तक इस कदम का हिस्सा नहीं रहा है।

शनिवार को ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को इस तरह के कदम के खिलाफ चेतावनी दी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि इस पैमाने पर शुल्क से केवल अमेरिकी उपभोक्ताओं को ही नुकसान होगा क्योंकि इससे आयात की कीमतें बढ़ेंगी, वैश्विक व्यापार बाधित होगा और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों से प्रतिशोध का जोखिम होगा। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ब्रिक्स मुद्रा अपनाने वाले देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की ट्रंप की धमकी वास्तविक नहीं है और व्यावहारिक से ज्यादा प्रतीकात्मक है। भारत के लिए, विवेकपूर्ण दृष्टिकोण एक पारदर्शी और खुले मुद्रा विनिमय की स्थापना करके स्थानीय मुद्रा व्यापार को व्यावहारिक बनाने पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा कि भारत का सर्वोत्तम हित न तो अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व में है और न ही इस समय ब्रिक्स मुद्रा को पूरी तरह अपनाने में है। उन्होंने कहा, अपने स्वयं के वित्तीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाकर, भारत वैश्विक व्यापार की बदलती गतिशीलता को बेहतर ढंग से संचालित कर सकता है। उन्होंने कहा कि संप्रभु राष्ट्रों को धमकाने से राजनयिक संबंध कमजोर होते हैं और आज की दुनिया की बहुध्रुवीय प्रकृति की अवहेलना होती है।

महबूबा ने धर्म के आधार पर बांटने की कोशिशों के खिलाफ एकजुट लड़ाई का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट लड़ाई का रविवार को आह्वान किया। उन्होंने कहा, देश में हालात अच्छे नहीं हैं। महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार (वल्लभभाई) पटेल, (बी आर) आंबेडकर जैसे नेताओं ने इस देश को हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के लिए घर बनाया। गांधी ने इसके लिए अपनी जान तक कुर्बान कर दी।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, हालांकि, लोगों को (धर्म के आधार पर) एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जा रहा है और मुझे अंदेशा है कि हमें 1947 जैसी स्थिति की ओर धकेला जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को रोजगार, शिक्षा, अच्छे अस्पताल और सड़कें उपलब्ध कराने में विफल रही है और मंदिर खोजने के बहाने मस्जिदों को निशाना बनाकर लोगों का ध्यान भटका रही है। महबूबा ने कहा, देश में बिल्कुल यही हो रहा है। हाल में संभल (उत्तर प्रदेश) में चार निर्दोष युवकों की हत्या कर दी गई, लेकिन उनके लिए कौन बोलेगा? ऐसा करने वाले किसी भी व्यक्ति को उमर खालिद की तरह जेल में डाल दिया जाएगा, जो पिछले चार सालों से सलाखों के पीछे है। मौजूदा हालात में कोई सुनने वाला नहीं है।

पीडीपी नेता ने एक याचिका का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि अजमेर शरीफ दरगाह एक शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं और सिखों सहित विभिन्न धर्मों के लोग 800 साल पुराने इस दरगाह में जाते हैं जो गंगा-जमुनी संस्कृति का एक शानदार उदाहरण है। उन्होंने कहा, वे मंदिर की तलाश में इस दरगाह को भी खोदना चाहते हैं...यह कब तक चलेगा?'' पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि लोगों को इसका मुकाबला करने के लिए खड़ा होना होगा अन्यथा बांग्लादेश और हमारे देश में क्या अंतर है। महबूबा ने कहा, बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाई उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं, लेकिन अगर हम यहां (भारत में) अल्पसंख्यकों के साथ ऐसा ही करते हैं, तो क्या अंतर रहेगा? हमारा इतना महान देश है, जिसे दुनिया भर में उसके धर्मनिरपेक्ष स्वरूप के लिए जाना जाता है। महबूबा ने कहा कि यह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं जिन्होंने बांग्लादेश को स्वतंत्रता हासिल करने में मदद की थी। हमारे देश में अधिकांश हिंदू धर्मनिरपेक्ष हैं और मुझे इस बारे में कोई संदेह नहीं है। हमें इस उभरती स्थिति का मुकाबला करने के लिए खड़ा होना होगा क्योंकि हमें एक साथ रहना है और कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

अगर अजित पवार की राकांपा सहयोगी नहीं होती तो शिवसेना 90-100 सीटें जीत लेती : शिवसेना विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना विधायक गुलाबराव पाटिल ने रविवार को कहा कि यदि अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महायुति का हिस्सा नहीं होती तो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी 20 नवंबर के विधानसभा चुनाव में 90 से 100 सीटें जीत जाती।

महायुति में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। पवार पिछले साल जुलाई में शिंदे सरकार में शामिल हुए थे और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया था।

पाटिल ने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा, हमने केवल 85 सीटों पर चुनाव लड़ा। अजित दादा के बिना हम 90-100 सीटें जीत सकते थे। शिंदे ने कभी नहीं पूछा कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को उनकी सरकार में क्यों शामिल किया गया।

विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए थे, जिसमें महायुति ने राज्य की 288 सीटों में से 230 सीटें जीतकर जीत दर्ज की थी। भारतीय जनता पार्टी 132 सीटों के साथ सबसे आगे थी, उसके बाद शिंदे की शिवसेना को 57 और राकांपा को 41 सीटें मिली थीं।

सरकार गठन पर पाटिल ने कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री शिंदे परेशान नहीं हैं। हाल ही में जलगांव ग्रामीण सीट से 59,000 से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतने वाले पाटिल ने कहा, हमारे नेता बड़े दिल वाले हैं और परेशान नहीं हैं। उन्होंने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वह एक योद्धा हैं, जिन्हें हताश नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला भाजपा करेगी और सहयोगी दलों के फैसले को शिंदे का समर्थन प्राप्त होगा।

जीएसटी संग्रह नवंबर में 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू लेनदेन से अधिक राजस्व मिलने से नवंबर में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 43,047 करोड़ रुपए, एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपए और उपकर 13,253 करोड़ रुपए रहा। नवंबर में कुल सकल जीएसटी राजस्व 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1.68 लाख करोड़ रुपए था। अक्टूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह नौ प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ दूसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह था। अब तक का सबसे अधिक संग्रह अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयात पर कर से राजस्व लगभग छह प्रतिशत बढ़कर 42,591 करोड़ रुपए हो गया।

इस महीने के दौरान 19,259 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.9 प्रतिशत कम है। रिफंड समायोजित करने के बाद, शुद्ध जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपए हो गया।

तेलंगाना: पुलिस से मुठभेड़ में 20 लाख के इनामी समेत सात माओवादी ढेर

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुलुगु जिले में रविवार सुबह पुलिस से हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन के 20 लाख रुपए के इनामी एक प्रमुख नेता समेत सात माओवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मारे गए लोगों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य और येलंडु-नरसंपेट क्षेत्र समिति के सचिव कुरसाम मंगू उर्फ भद्रू और एक महिला कार्यकर्ता भी शामिल है। मारे गए सात माओवादियों में से छह छत्तीसगढ़ के मूल निवासी थे।

पुलिस ने बताया कि एतुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल रोधी बल 'ग्रेहाउंड्स' और माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई।

बजाज फाइनेंस के साथ क्रेडिट कार्ड समझौता खत्म करना कोई बड़ी बात नहीं : आरबीएल बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बजाज फाइनेंस के साथ वर्षों पुराने क्रेडिट कार्ड वितरण समझौते को खत्म करने के बाद निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक को उत्पाद की नई बिक्री की गति पर लौटने में एक तिमाही का समय लग सकता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह अनुमान जताया है।

बैंक के कारोबार प्रमुख बिक्रम यादव ने पीटीआई-भाषा से कहा कि निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता ने पिछले 18 महीनों से गैर-बैंकिंग ऋणदाता पर अपनी निर्भरता कम कर दी है, लेकिन साझेदारी के तहत एक लाख से अधिक कार्डों में से लगभग 30 प्रतिशत सह-ब्रांडेड कार्ड हैं।

बिक्रम यादव ने कहा कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब क्रेडिट कार्ड के मोर्चे पर समग्र माहौल असुरक्षित ऋण को लेकर चिंताओं के कारण थोड़ा सतर्क है। उन्होंने कहा कि बैंक को नए कार्ड की बिक्री की सामान्य गति पर वापस आने में लगभग एक तिमाही का समय लगेगा।

यादव ने कहा, अप्रैल से हम फिर उसी अनुपात पर आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि आय सृजन के दृष्टिकोण से गठजोड़ का अंत तटस्थ रहेगा। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा बेचे जाने वाले कार्डों में से लगभग आधे कार्ड उसके अपने वितरण इंजन के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं, जहां पिछले 18 महीनों में इसने इस कार्य के लिए 3,000 समर्पित कर्मचारियों को नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि गठजोड़ समाप्त करने से क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में कोई बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने बताया कि सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पेशकश के तहत भी परिसंपत्ति का चयन बैंक के हाथ में था।

इसके रणनीति प्रमुख जयदीप अय्यर ने कहा कि अब से ध्यान बैंक की पेशकशों से 54 लाख क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को अधिक उत्पाद बेचने पर होगा।

उन्होंने कहा कि क्रेडिट कार्ड आधार में बजाज फाइनेंस द्वारा वितरित सह-ब्रांडेड पेशकश वाले 34 लाख ग्राहक शामिल हैं। ये प्रति माह 10,000 करोड़ रुपए तक खर्च करते हैं और बैंक दोपहिया ऋण, स्वर्ण ऋण, वाहन ऋण और गृह ऋण जैसी अन्य पेशकशों के लिए भी इसी आधार का उपयोग करना चाहेगा।

अय्यर ने कहा कि करीब 18 महीने पहले जब बजाज फाइनेंस अपने चरम पर था, तो वह बैंक द्वारा एक महीने में बेचे जाने वाले कार्डों का 80 प्रतिशत तक वितरित कर रहा था, जो अब घटकर 30 प्रतिशत रह गया है। अय्यर ने कहा, हमने अब वितरण क्षमता बढ़ा ली है, जिससे बजाज फाइनेंस के साथ साझेदारी का अंत अब कोई बड़ी बात नहीं रह गई है।

योगी की तरह भूमि जिहादियों को सबक सिखाये मुख्यमंत्री धामी : भाजपा विधायक टी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा के विधायक टी राजा ने रविवार को यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तर प्रदेश के उनके समकक्ष योगी आदित्यनाथ की तरह भूमि जिहादियों को सबक सिखाने को कहा।

राजा ने उत्तरकाशी में मस्जिद के खिलाफ हिंदूवादी संगठन 'देवभूमि विचार मंच' की ओर से आयोजित महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि वह हैदराबाद से यहां मुख्यमंत्री धामी से कहने आए हैं कि वह योगी से चाय पर चर्चा करें। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में योगी जी जिस प्रकार से भूमि जिहादियों को सबक सिखाते हैं, आपको (धामी) भी उत्तराखंड में कुछ बुलडोजर खरीदने की आवश्यकता है। राजा ने धामी को प्रदेश के एक करोड़ हिंदुओं का समर्थन होने का दावा करते हुए कहा कि उन्हें उनकी भावनाएं समझनी चाहिए। उन्होंने कहा, वे (हिंदू) भूमि जिहाद मुक्त उत्तराखंड चाहते है। उत्तराखंड स्वर्ग है लेकिन उसे नर्क बनाने का जो षडयंत्र भूमि जिहादियों द्वारा किया जा रहा है, हमारे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को सावधान होकर उन सभी को सबक सिखाने की आवश्यकता है। राजा ने महापंचायत में मौजूद लोगों से कहा कि जो राजनीतिक दल उनसे वोट मांगने आएं, वे उन्हें यह अहसास करवा दें कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें भूमि जिहादियों को वहां से खदेड़ना होगा। उन्होंने नौजवानों से कहा कि यह केवल उत्तरकाशी का नहीं बल्कि संपूर्ण उत्तराखंड का मुद्दा है और भूमि जिहाद व लव जिहाद से बचने के लिए सबकों एक होने की जरूरत है।

चक्रवात 'फेंगल' कमजोर पड़ा, चेन्नई, विल्लुपुरम् में आम जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/चेन्नई। पुडुचेरी के पास शनिवार को पहुंचा चक्रवात 'फेंगल' रविवार को कमजोर पड़ गया। हालांकि, इसके प्रभाव से केंद्र-शासित प्रदेश में होने वाली मूसलाधार बारिश की वजह से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और बाढ़ग्रस्त सड़कों पर फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना को आगे आना पड़ा। बुजुर्गों ने कहा कि पुडुचेरी में पिछले तीन दशक में प्रकृति का ऐसा प्रकोप नहीं देखा गया था।

पड़ोसी तमिलनाडु के विल्लुपुरम में भी बारिश और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जिले में बारिश को 'अभूतपूर्व' करार दिया। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई हवाई अड्डे पर परिचालन आधी रात के बाद फिर से शुरू हो गया, लेकिन शुरुआत में कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और कई विमानों ने देरी से उड़ान भरी। हालांकि, बाद में दिन में परिचालन सामान्य हो गया। चक्रवात के मद्देनजर चेन्नई हवाई अड्डे पर सेवाएं शनिवार को निलंबित कर दी गई थीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से उपलब्ध कराई गई ताजा जानकारी के मुताबिक, चक्रवात फेंगल' कमजोर पड़कर गहरे दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया है।

आईएमडी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी के पास पहुंचा चक्रवाती तूफान 'फेंगल' पिछले 12 घंटों के दौरान व्यावहारिक रूप से स्थिर रहा और अब यह कमजोर होकर एक गहरे दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है और एक दिसंबर 2024 को पूर्वाह्न 11.30 बजे पुडुचेरी के करीब, कुड्डालोर से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में, विल्लुपुरम से 40 किलोमीटर पूर्व में और चेन्नई से 120 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में अक्षांश 12.0 डिग्री उत्तर और 79.8 डिग्री पूर्व देशांतर के पास उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। पोस्ट के मुताबिक, चक्रवात के अगले 12 घंटे के दौरान बहुत धीमी गति से पश्चिम की तरफ बढ़ने और उत्तरी तमिलनाडु में धीरे-धीरे कमजोर होकर दबाव में बदलने की संभावना है। पुडुचेरी में आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया, क्योंकि केंद्र-शासित प्रदेश में 46 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह 31 अक्टूबर 2004 के 21 सेंटीमीटर

का रिकार्ड टूट गया। भारी बारिश के कारण बाहरी इलाके में सभी आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से विभिन्न स्थानों पर पेड़ उखड़ गए। शनिवार को रात 11 बजे से अधिकांश मोहल्लों में बिजली आपूर्ति ठप है। भारतीय सेना ने फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए बाढ़ग्रस्त इलाकों में अपने सैनिकों और नौकाओं को तैनात किया। रक्षा विभाग की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, पुडुचेरी में कृष्णा नगर सहित तीन जगहों से लगभग 200 लोगों को बचाया गया। कई आवासीय कॉलोनियों में पानी भर गया और निवासी घंटों तक अपने घरों से बाहर नहीं निकल सके। निवासियों ने कहा कि सड़कों पर खड़े दोपहिया वाहन और कारें

फेंगल चक्रवात : पुडुचेरी में भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त

पुडुचेरी। पुडुचेरी में चक्रवात 'फेंगल' के चलते हुई भारी बारिश के कारण रविवार को जनजीवन प्रभावित हुआ। फेंगल 30 नवंबर को यहां तट से गुजरा था।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पुडुचेरी में आज सुबह नौ बजे तक पिछले 24 घंटों में 46 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। चक्रवात फेंगल के कारण भारी बारिश हुई, जिसकी वजह से बुलीवर्ड सीमा के बाहरी इलाकों में सभी रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए। शनिवार रात 11 बजे से अधिकतर इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप होने की खबर मिली है। कई आवासीय कॉलोनियों में पानी भर गया और निवासी कई घंटों तक घरों से बाहर नहीं निकल पाए।

लोगों ने बताया कि सड़कों पर खड़े दोपहिया वाहन और कार बारिश के पानी में आंशिक रूप से डूब गईं और कई मकानों में पानी घुस गया। बुजुर्ग लोगों का कहना है कि केंद्र शासित प्रदेश में प्रकृति का ऐसा कहर तीन दशक पहले भी देखने को मिला था। बारिश के चलते मुख्य मार्ग और सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। खेतों में फसलें भारी बारिश की मार झेल रही हैं। परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं और पांडिचेरी हेरिटेज राउंड टेबल 167 जैसे स्वयंसेवी संगठनों ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने के लिए सरकार के प्रयासों में सहयोग दिया है। अधिकारियों ने बताया कि कई प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान जारी है और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों को निकाला गया है।

बारिश के पानी में आंशिक रूप से डूब गईं। सभी दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सरकार ने निचले इलाकों से निकाले गए लोगों के लिए राहत केंद्र स्थापित किए हैं। ज्यादातर मुख्य मार्गों और सड़कों पर पानी भर गया, जिससे दैनिक जीवन बाधित हुआ। फसलों को भारी बारिश का खामियाजा भुगतना पड़ा और परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हुईं। पांडिचेरी हेरिटेज राउंड टेबल 167 जैसे स्वैच्छिक संगठनों ने राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को भोजन के पैकेट की आपूर्ति करने में सरकार की मदद की। इस बीच, चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने संवाददाताओं को चक्रवात और शहर व अन्य जगहों पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विल्लुपुरम में भारी बारिश हुई और पिछले 24 घंटों में जिले के मैलम में 49 सेंटीमीटर, नेम्मेली में 46 सेंटीमीटर और वनूर में 41 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। स्टालिन ने कहा, विल्लुपुरम में अभूतपूर्व बारिश हुई है और हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। कुछ जगहों पर बाढ़ प्रभावित स्थानीय निवासियों को निकालने के लिए नावें तैनात की गई थीं और जिला मंत्री (वन) के पोनमुडी बचाव और राहत प्रयासों की देखरेख कर रहे थे। पोनमुडी के कैबिनेट सहयोगी एसएस शिवशंकरन और वी सेंथिल बालाजी भी प्रभावित क्षेत्र पहुंचेंगे, जबकि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों की एक टीम जिले में डेरा डाले हुए थी।

स्टालिन ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की 12 टीम को पुडुचेरी से लगभग 40 किलोमीटर और चेन्नई से लगभग 170 किलोमीटर दूर स्थित विल्लुपुरम भेजा गया है। उन्होंने बताया कि विल्लुपुरम के पास कुड्डालोर में भी भारी बारिश हो रही है और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को दोनों जिलों में बचाव एवं राहत प्रयासों की निगरानी के लिए भेजा गया है। स्टालिन ने कहा, दोनों जिलों पर नजर रखी जा रही है। हम केंद्र से विल्लुपुरम, कुड्डालोर और चेंगलपेट में नुकसान का आकलन करने के लिए एक टीम नियुक्त करने का अनुरोध करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई जिलों में सरकार बारिश कम होने के बाद ही प्रभावित लोगों को राहत देने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि खड़ी फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा भी बारिश रुकने के बाद ही की जा सकती है। स्टालिन ने कहा कि इस मामले पर चर्चा की जाएगी और राज्य सरकार बाद में केंद्र को अवगत कराएगी।

चेन्नई के बारे में उन्होंने कहा कि शनिवार को शहर में भारी बारिश के बावजूद एहतियाती उपायों और गाद निकालने की गतिविधियों के कारण कई हिस्सों में बाढ़ नहीं आई। उत्तर चेन्नई में बड़ी मोटर का इस्तेमाल करके पानी निकाला गया। विभिन्न क्षमता के लगभग 1,700 मोटर पंप तैयार रखे गए थे।

स्टालिन ने कहा कि चेन्नई के 22 सबवे में से 21 पर यातायात सुचारू था, जबकि एक सबवे रेलवे से जुड़े कार्य के कारण पहले ही बंद था। उन्होंने बताया कि 32 शिविरों में 1,000 से अधिक लोगों को रखा गया है और उन्हें भोजन एवं पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्टालिन के अनुसार, रविवार तक 9.10 लाख भोजन पैकेट वितरित किए गए, जबकि राज्य संचालित अम्मा कैंटीन के माध्यम से मुफ्त भोजन प्रदान किया जा रहा है और इससे लगभग 1.07 लाख लोगों को लाभ हुआ है। स्टालिन ने इससे पहले बारिश की स्थिति और सरकार के बचाव एवं राहत प्रयासों को लेकर एक समीक्षा बैठक भी की।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों को केंद्रीय सहायता के बारे में कोई जानकारी नहीं: केरल सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वायनाड में भूस्खलन से पीड़ित लोगों को सहायता न मिलने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केरल सरकार ने रविवार को कहा कि उसे राहत और पुनर्वास के लिए राज्य को आवंटित की जाने वाली राशि के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। वाम मोर्चा सरकार ने कहा कि राज्य और केंद्र दुश्मन देश नहीं हैं, बल्कि एक ही संविधान का हिस्सा हैं और केंद्र से अनुरोध किया कि वह त्रासदी के समय राज्य की मदद करे।

राजस्व मंत्री के. राजन ने कहा कि राज्य सरकार ने भूस्खलन के संबंध में सभी विवरण प्रस्तुत कर दिए हैं और केंद्र सरकार ने अभी तक इस बारे में कोई सूचना नहीं दी है कि उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में कोई गलती थी या नहीं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि भूस्खलन के दौरान हुए नुकसान के आंकड़े शुरू में राज्य को प्रस्तुत करने थे और यह काम बिना किसी चूक के किया गया। उन्होंने कहा कि भूस्खलन पीड़ितों के राहत और पुनर्वास के लिए राज्य को आवंटित की जाने वाली राशि के बारे में भी अभी तक कोई जानकारी नहीं है। मंत्री ने हाल में एक अन्य मामले पर उच्चतम न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणी का भी जिक्र किया। मंत्री ने कहा, उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि जब किसी राज्य में त्रासदी आती है तो केंद्र को उसके प्रति एक अभिभावक की तरह व्यवहार करना चाहिए। हमारा अनुरोध है कि केंद्र सरकार को भी उसी तरह व्यवहार करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतंत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) से भी आग्रह किया कि वह अपने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर वायनाड के भूस्खलन पीड़ित लोगों के लिए समुचित केंद्रीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हों। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस नीत विपक्षी यूडीएफ, दोनों ही भाजपा नीत केंद्र सरकार से भूस्खलन आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और राहत एवं पुनर्वास के लिए यथाशीघ्र आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

तीस जुलाई को आई आपदा ने वायनाड में अट्टामाला के कुछ हिस्सों के साथ-साथ तीन गांवों पुंचिरीमट्टम, चूरलमाला और मुंडक्कई के हिस्सों को नष्ट कर दिया था। सरकार के अनुसार, इस आपदा में 231 लोगों की जान चली गई, जबकि 47 लोग अभी भी लापता हैं।

अन्नामलाई ने वंशवाद को लेकर स्टालिन को आडे हाथ लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई तीन महीने के अंतराल के बाद चेन्नई लौटे हैं। आज अन्नामलाई ने द्रमुक नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन की आलोचना की।

अन्नामलाई ने कहा कि स्टालिन का उपमुख्यमंत्री बनना द्रमुक पार्टी में उनके परिवार के दबदबे का नतीजा है। उन्होंने पार्टी में प्रतिभाशाली लोगों को आगे नहीं आने देने के लिए स्टालिन की आलोचना भी की।

अन्नामलाई ने उदयनिधि स्टालिन पर हमला करते हुए उन्हें वंशवाद की राजनीति की उपज कहा। उन्होंने उदयनिधि के अनुभव और साख की कमी का हवाला देते हुए पार्टी का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता पर सवाल उठाया। भाजपा नेता ने अभिनेता विजय के राजनीति में प्रवेश पर भी टिप्पणी की और कहा कि विजय के भाषण द्रविड़ विचारधारा से मेल खाते हो सकते हैं, लेकिन दीर्घकालिक राजनीतिक करियर को बनाए रखने की उनकी क्षमता अभी देखी जानी बाकी है। अन्नामलाई ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा का रास्ता सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची समेत अन्य पार्टियों से अलग और अलग है। उन्होंने कहा कि भाजपा 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी।

केरल के चार जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी, दो दिसंबर को भारी बारिश की आशंका

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को राज्य के चार जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया और दो दिसंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भविष्यवाणी की। आईएमडी द्वारा दी गयी नवीनतम जानकारी के अनुसार, मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड और कन्नूर के उत्तरी जिलों में सोमवार को अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग ने कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर जिलों को ऑरेंज अलर्ट के तहत रखा है जबकि पत्तनमथिट्टा, अलाप्पुझा, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और अधिकारियों के निर्देशानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

आईआईटी-मद्रास के शोधार्थियों ने प्रोटीन उत्परिवर्तन का पता लगाने वाला एआई आधारित उपकरण विकसित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (आईआईटी-मद्रास) के शोधकर्ताओं ने प्रोटीन उत्परिवर्तनों के लिए मशीन लर्निंग' आधारित एक उपकरण विकसित किया है जो मौजूदा अधिक समय लेने वाली और महंगी विधियों से बेहतर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित उपकरण 'डीप पीपीए प्रेड म्यूट' में एक उपयोगकर्ता-अनुकूल वेब सर्वर शामिल है जो शोधकर्ताओं के लिए पहुंच बढ़ाता है। शोध के निष्कर्ष पत्रिका 'बायोइंफॉर्मेटिक्स' में प्रकाशित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, प्रोटीन (जिसे अक्सर जीवन निर्माण का आधार कहा जाता है) का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि वे कोशिका संकेतन और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और कोशिका चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करने के लिए एंजाइम के रूप में मौजूद हो सकते हैं। उनके मांसपेशियों में मौजूद एक्टिन और मायोसिन की तरह संरचनात्मक और यांत्रिक कार्य भी होते हैं।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब इन प्रोटीन-प्रोटीन कॉम्प्लेक्स में उत्परिवर्तन होता है, जो कॉम्प्लेक्स की स्थिरता को प्रभावित करता है और कार्यक्षमता को बाधित करता है, जिससे बीमारियां होती हैं। प्रोटीन-प्रोटीन कॉम्प्लेक्स का एक गुण, दो या दो से अधिक प्रोटीनों का बंधन है।

आईआईटी मद्रास के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर एम माइकल ग्रोमिहा ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, इस जुड़ाव को 'बाइंडिंग एफिनिटी' के रूप में जाना जाता है, प्रोटीन के दो या दो से अधिक अणुओं के बीच जुड़ाव की मजबूती यह आकलन करते समय महत्वपूर्ण है कि उत्परिवर्तन प्रोटीन-प्रोटीन कॉम्प्लेक्स को कैसे प्रभावित करते हैं। ग्रोमिहा ने बताया कि प्रोटीन-प्रोटीन कॉम्प्लेक्स के बंधन संबंध पर उत्परिवर्तन के प्रभाव का पता लगाने के लिए कई तरीके हैं, लेकिन ये श्रम-साध्य, समय लेने वाले और महंगे हैं।

उन्होंने कहा कि इसीलिए उत्परिवर्तन पर 'बाइंडिंग एफिनिटी' (जुड़ने की क्षमता) में परिवर्तन का अनुमान लगाने के लिए अनुक्रम-आधारित तरीके विकसित किए गए हैं।

इस अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने 'डीप पीपीए प्रेड म्यूट' विकसित किया, जो उपयोगकर्ता से इनपुट के रूप में प्रोटीन अनुक्रम और उत्परिवर्तन लेता है और प्रोटीन कॉम्प्लेक्स में उत्परिवर्तन पर बाइंडिंग एफिनिटी' में परिवर्तन का अनुमान व्यक्त करता है। आईआईटी-मद्रास में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के राहुल निकम ने कहा कि प्रोटीन से प्रोटीन के जुड़ाव कई कोशिकीय प्रक्रियाओं को रेखांकित करता है और उत्परिवर्तन के कारण उनके व्यवधान से बीमारियां हो सकती हैं।

KVB

करूर वैश्य बैंक ने आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु में चार नई शाखाएं खोलीं

चेन्नई। निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक ने अपने विस्तार अभियान के तहत तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में चार नई शाखाओं का उद्घाटन किया है। तमिलनाडु स्थित बैंक ने रविवार को एक बयान में कहा कि चेन्नई में दो और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कुडप्पा में एक-एक नई शाखाओं की शुरुआत के साथ कुल शाखा नेटवर्क बढ़कर 858 हो गया। करूर वैश्य बैंक ने बताया कि उसने 30 सितंबर, 2024 तक कुल 1,76,138 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। बैंक के पास 2,200 एटीएम हैं और उसने पिछले वित्त वर्ष में 1,605 करोड़ रुपये का अपना अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया।

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना सं. ICF/D&D/AMS/ENOVIA/2024 दिनांक: 26.11.2024

निम्नलिखित ई-निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और निविदा के समक्ष बोली लगाएं। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा

खुली निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	अवधि	निविदा की तारीख व समय	
			बंद करने	खोले जाने
2024472211609	डी एंड डी सेंटर में लागू एनोविया 3D एक्सपीरियंस पीएलएम सॉल्यूशन के लिए एप्लीकेशन मेंटेनेंस एंड सपोर्ट (AMS) सेवाएं	1 वर्ष	18.12.2024 को 15.00 बजे	18.12.2024 को 15.00 बजे के बाद

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/डिज़ाइन

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना सं. सडिका/बिजली/निर्माण/2024-25 दिनांक: 02.12.2024

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर/अनु./शेल, सवारी डिब्बा कारखाना निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं–

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य (₹ लाख में)	बयाना राशि (₹ में)	निविदा बंद करने की तारीख और समय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2024245211616	ईएल-डब्ल्यू-891 फर्निशिंग डिवीजन में कमीशनिंग शेड में 25kV के नजदीक सुरक्षा हेतु पिट लाइन आइसोलेशन ऑपरेटिंग सिस्टम की व्यवस्था।	52.66	1,05,300/-	02.01.2025 को 15.30 बजे

आवेदन जमा करने की वेबसाइट: www.ireps.gov.in
उपरोक्त निविदा सूचना का हिंदी संस्करण https://icf.indianrailways.gov.in/ पर उपलब्ध है।

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना सं. डब्ल्यू/डब्ल्यू/14/वॉल. 52

स्टालों हेतु स्वीकृति पत्र जारी होने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए निम्नलिखित स्टालों को चलाने के लिए उपयुक्त और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से प्रधान मुख्य इंजीनियर/सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै – 38 द्वारा ऑनलाइन प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं।

स्थान : सडिका दक्षिण कॉलोनी

स्टॉल सं.	वर्ग मी. में क्षेत्र	प्रथम वर्ष के लिए आरक्षित मूल्य	किसी भी प्रकार का व्यवसाय जैसा कि नीचे बताया गया है–
2	19.25	1,05,584 + GST जैसा लागू हो	(A) मछली/मटन/चिकन/समुद्री फूड (B) फास्ट फूड (C) सैलून/ब्यूटी पार्लर (D) इलेक्ट्रिकल मरम्मत / एलपीजी सर्विसिंग (E) साइकिल/2 व्हीलर मरम्मत और स्पेयर पार्ट्स (F) फैंसी स्टोर, न्यूज मार्ट, किताबें (G) ट्रैवल एजेंसी (H) प्रिंटिंग प्रेस (I) कपड़ा/रेडीमेड परिधान/टेलरिंग (J) प्रोविजन आइटम (K) चाय, टिफिन और स्नैक्स (L) डीटीपी, जेरॉक्स, एसटीडी/आईएसडी/पीसीओ, इंटरनेट ब्राउजिंग सेंटर (M) बेकरी प्रोडक्ट्स/आइस क्रीम (N) बेटल नट, कूलड्रिंक्स, (O) सब्जियां और फल (P) क्लिनिक (J) धुले कपड़ों की इस्त्री
6	19.25	1,05,584 + GST जैसा लागू हो	
7	19.25	1,05,584 + GST जैसा लागू हो	
9	19.00	1,12,930 + GST जैसा लागू हो	
11	19.00	1,12,930 + GST जैसा लागू हो	
13	19.00	1,12,930 + GST जैसा लागू हो	
14	19.00	1,12,930 + GST जैसा लागू हो	

निविदा खुलने की तिथि – 08.01.2025@10.30 बजे। यदि कोई लाइसेंसधारी लाइसेंस अवधि के दौरान अपने लाइसेंस को समय से पहले बंद करना चाहता है तो सडिका प्रशासन के पास लाइसेंस शुल्क और सुरक्षा जमा के रूप में उपलब्ध राशि जब्त कर ली जाएगी।

विस्तृत निविदा सूचना, नियम एवं शर्तें और दिशानिर्देशों के लिए www.icf.indianrailways.gov.in देखें।

हमारी लड़ाई भारत की आत्मा के लिए है: कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (के रल)/भाषा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर कर उन्हें कुछ ''कारोबारी मित्रों'' को सौंप रही है।

उन्होंने यहां मनंतवाडी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं जो उन संस्थाओं को नष्ट करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है जिन पर हमारा देश बना है। वायनाड से सांसद ने कहा, आज हम अपने राष्ट्र की भावना के लिए, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह लड़ाई इस देश की शक्ति और संसाधनों पर उसके लोगों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए है। वायनाड में 30 जुलाई को हुए भीषण भूस्खलन को याद करते हुए प्रियंका ने कहा कि उन्होंने कई त्रासदियां देखी हैं। उन्होंने कहा, जब भी कोई त्रासदी होती है, हम पूरे भारत में जाते हैं, लोगों से मिलते हैं। लेकिन, यहां आकर मैंने जो दर्द और पीड़ा देखी, वह शायद ही कभी देखी हो। प्रकृति का प्रकोप एक छोटे से क्षेत्र में केंद्रित हो गया था। क्षेत्र के सभी मकान बह गए, सभी परिवार विस्थापित हो गए, सभी आजीविकाएं खत्म हो गईं। लेकिन फिर भी इस तबाही के बीच, और इस दर्द व पीड़ा के बीच मैंने आप सभी की मानवता देखी। उन्होंने कहा, आपने धर्म नहीं पूछा, आपने जाति नहीं पूछी, आपने पीड़ितों की मदद के लिए जो कुछ भी कर सकते थे, किया। वायनाड से लोकसभा सदस्य ने कहा, मैं चाहती हूं कि आप में से हर कोई यह जान ले कि आप मेरी जिम्मेदारी हैं। मैं आपके प्यार को पूरी गंभीरता से लेती हूं और अगले पांच वर्षों में आपके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लड़ाई लड़ना मेरा कर्तव्य है। हालिया उपचुनाव जीतने के बाद वह पहली बार वायनाड पहुंची हैं। उन्होंने कहा कि वह उन्हें मिले प्यार और स्नेह के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए दो दिन के लिए यहां आई हैं। प्रियंका ने कहा, लेकिन इसके बाद मेरा असली काम शुरू होगा और हम आपकी सभी समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका सबसे पहला काम मलयालम सीखना है। प्रियंका ने कहा, कल ऐसी ही एक सभा में, लोगों के बीच से किसी ने मुझसे कहा कि आप वादा कीजिये कि आप फिर आएंगी। इसलिए मैं वादा करती हूं कि मैं इतनी बार आऊंगी कि आप मुझसे ऊब जाएंगे।

जबरन किसी का धर्मांतरण न हो, ऐसा होना ही चाहिए कानून : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान सरकार के लाए जा रहे धर्मांतरण कानून का स्वागत करते हुए ने कहा है कि जबरन किसी का भी धर्मांतरण न हो, निश्चित रूप से ऐसा कानून होना ही चाहिए। हम सब लोग राजस्थान सरकार के इस निर्णय के साथ हैं। अपने गृह जो जोधपुर पहुंचे शेखावत ने रविवार को मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रलोभन के आधार पर और जबरन धर्मांतरण न हो, राजस्थान में इस तरह का कानून राज्य सरकार लेकर आ रही है, वह इसका स्वागत करता हैं।

कांग्रेस के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उंगली उठाने के सवालों पर शेखावत ने कहा कि झारखंड और जिन सीटों पर वो जीते हैं, पहले उसका स्पष्टीकरण दे दें। यह सब खिसियानी बिल्ली खंभा नोंचे जैसी स्थिति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मैंने भी मतगणना से पहले कहा था कि परिणाम के दिन शाम तक ईवीएम बदनाम हो जाएगी। ईवीएम को बदनामी मिल रही है। आने वाले समय में वो जब चुनाव हारेंगे, तब ईवीएम को इसी तरह से कोसेंगे।

राजस्थान में उपचुनाव परिणाम को लेकर शेखावत ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि हम एक से अनेक होने वाले हैं। कांग्रेस, उसकी विचारधारा, नेतृत्व को देश-प्रदेश की जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है। यह विभाजनकारी राजनीति करने वाले लोग हैं। इनकी चाल, चरित्र और चेहरे बेनकाब हो गए हैं। राजस्थान और देश की जनता इनको कभी अवसर नहीं देगी।

प्रयागराज में आगामी जनवरी-फरवरी में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ पर शेखावत ने कहा कि महाकुम्भ दुनिया का मनुष्यों का सबसे बड़ा समागम है। भारत की वर्ल्ड हेरिटेज इनटेंजिबल ऐसेट है। विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित है। महाकुम्भ को लेकर उत्तरप्रदेश सरकार से हमारा कई बार विचार-विर्मश हुआ है। इस तरह की अपेक्षा है कि महाकुम्भ में 45 दिन में 45 करोड़ लोग आएंगे। हर आने वाले व्यक्ति के कम्युनिकेशन, कम्यूटेशन, सेनिटेशन और उसका एक्सपीरियंस, इन चारों चीजों को लेकर केंद्र सरकार और उत्तरप्रदेश सरकार काम कर रही है। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं और दुनिया के अलग-अलग कोनों से आने वाले पर्यटकों को पूरे भारत का दर्शन एक स्थान पर हो, इसको लेकर संस्कृति मंत्रालय ने बड़ी योजना का निर्माण किया है। उसको लेकर हम काम कर रहे हैं।

उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जिनेवा कन्वेंशन के आधार पर तय हुआ था कि सेना बॉर्डर से पीछे रहेगी। उसी के अनुरूप भारत में सीमा प्रहरियों के रूप में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का गठन हुआ। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के समय में निर्णय हुआ कि एक फोर्स, एक सीमा की रक्षा करे, तब से लेकर पाकिस्तान और बंगलादेश दोनों सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल देश के सबसे बड़े केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के रूप में काम कर रही है। अपने नाम के अनुरूप सीमाओं की रक्षा एवं सुरक्षा कर इसने अद्भुत काम किया है। उन्होंने कहा कि लगता है कि पूरे विश्व भर में एकमात्र केंद्रीय रिर्जव पुलिस है, जिसके पास में जल, थल और नभ, तीनों पर काम करने की जिम्मेदारी भी है, क्षमता भी है और अनुभव भी है।

शेखावत ने कहा कि बीएसएफ ने 1971 की लड़ाई में, कारगिल की लड़ाई एवं जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अद्भुत पराक्रम का परिचय दिया है। वह सुरक्षा बल के सब जवानों से लेकर उनके महानिदेशक को बधाई देते है और हम सब लोग ऐसे महत्वपूर्ण समय में जब देश विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, एक नई जिम्मेदारी के एहसास के साथ में आगे बढ़े, ऐसी कामना है।

निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा ढहने से एक मजदूर की मौत

जयपुर। राजस्थान में कोटा जिले के रामगंज मंडी क्षेत्र में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा ढहने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (कोटा ग्रामीण) सुजीत शंकर ने बताया कि कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा शनिवार रात ढह गया जिसके मलबे में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि सुरंग के ढहने से तीन मजदूर मलबे में फंस गए और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि शमशेर सिंह (33) को मृत घोषित कर दिया गया और दो घायल मजदूरों का अस्पताल में इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि यह हादसा रामगंज मंडी के मोड़क इलाके में हुआ। घटना के बाद पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

हम विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़े हैं : सत्यार्थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा है कि हम विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं, दुनियां के सामने जितने गंभीर संकट इस समय हैं इतने इससे पहले कभी नहीं आए। सत्यार्थी राजस्थान में अजमेर के राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सभागार में पत्रकारों की संस्था अजयमेरु प्रेस क्लब की स्थापना के 25 वर्ष में प्रवेश के मौके पर 'वैश्विक चुनौतियां और मीडिया की भूमिका' विषय पर शनिवार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति के हाथ में मोबाइल है समझ लीजिए वह मीडिया का प्रतिनिधित्व कर रहा है। विश्व के जिन देशों में लोकतंत्र है वहां 70 प्रतिशत चुनाव पर सोशल मीडिया के 'फेक कंटेंट' ने चुनाव पर असर डाला है। एआई के दौर में परंपरागत मीडिया के सामने भी चुनौतियां हैं। वैश्विक स्तर पर यह समस्या ज्यादा बढ़ गई है।

सत्यार्थी ने कहा कि दुनियां में 56 देशों में युद्ध चल रहा है। कटु सत्य है कि अब तक किसी भी बच्चे ने युद्ध नहीं लड़ा, लेकिन युद्ध में सबसे ज्यादा बुरा असर बच्चों पर ही

पड़ता है। महिलाएं भी युद्ध की विभीषिका का शिकार बनती हैं। उन्होंने इजरायल, फिलिस्तीन युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि यह चिंता का विषय है की युद्ध में इससे बड़ी त्रासदी क्या हो सकती है कि गर्भस्थ बच्चे भी मारे गए। मीडिया ने पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से इस संकट को उठाया है। विश्व में श्वेत, अश्वेत, धर्म, सांप्रदायिकता व जातिवाद ने गंभीर संकट पैदा कर रखा है।

सत्यार्थी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम समस्याओं का रोना रोने की बजाय समाधान पर बात करें।भारत में वैदिक ऋषियों ने कई समाधान दिए हैं। सर्वे संतु सुखिन सर्वे संतु निरामया और वसुधैव कुटुंबकम का भाव भारत ने ही सिखाया, लेकिन हम विद्वानों के बताए मार्ग पर नहीं चल रहे हैं। परिस्थितियां अत्यंत विषम होने के कारण मीडिया की जिम्मेदारियां ज्यादा बढ़ गई हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा की देश आजाद हुआ उस समय भी कई विचारधाराएं थीं। कम्युनिस्ट, समाजवादी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ जो बाद में भाजपा बना। पिछले कुछ समय से ऐसा लगने लगा है की अब विचारधारा की बजाय व्यक्ति प्रमुख हो गए हैं। भारत भ्रष्टाचार और भय मुक्त होना चाहिए। लोगों की सहनशीलता भी कम होती जा रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि किसी जमाने में गांव के सरपंच का गांव में बहुत सम्मान होता था। हालात उलट हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश के समग्र विकास और जनहित से जुड़े अनेक फैसले लिए गए : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के 70 वें जन्मदिवस के अवसर पर रविवार को जोधपुर में महाराज राजाराम शिक्षण संस्थान के प्रांगण में विशाल रक्तदान शिविर एवं जनसभा केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य एवं महंत रामप्रसाद जी एवं संत दयाराम जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित हुई।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने संसदीय कार्य मंत्री को जन्मदिवस के शुभेच्छाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा डबल इंजन की सरकार देश एवं प्रदेश के सतत एवं समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से प्रदेश में निवेश आयेगा जो राजस्थान के तीव्र आर्थिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मंत्रिमंडल की बैठक में जनहित से जुड़े अनेक फैसले लिए गए। माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए एक साथ 9 नीतियों को मंजूरी प्रदान की गई। उन्होंने कहा भरतपुर और बीकानेर में विकास प्राधिकरणों के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। जिससे इन शहरों का सुव्यवस्थित और नियोजित ढंग से विकास सुनिश्चित होगा।

पटेल ने कहा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत नई एम-सेण्ड नीति से प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना होगी, जिससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सेण्ड के उपयोग से अवैध बजरी खनन पर रोक लगेगी।उन्होंने कहा भारत-पाक सीमा के विशेष सामरिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए सीमा पर लेटरल सड़क के निर्माण के लिए राजकीय भूमि आवंटन करने के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। पटेल ने कहा प्रदेश सरकार ने युवाओं के रोजगार के लिए रोडमैप तैयार किया है। इस वर्ष एक लाख और 5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। साथ ही प्रदेश में 10 लाख युवाओं को निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

पटेल ने कहा रक्तदान महादान है और रक्तदान करने वाला व्यक्ति महादानी है। उन्होंने कहा रक्तदान शिविर के माध्यम से युवाओं ने समाज को सकारात्मक संदेश दिया है कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा रक्तदान न केवल नया जीवन देता है बल्कि सामाजिक संबंधों में मधुरता आती है। उन्होंने कहा आपका रक्त किसी की शिराओं में जिंदगी बनकर दौड़ेगा और हम सभी को अधिकाधिक रक्तदान कर लाखों लोगों के जीवन को बचा सकते है। इस दौरान जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली,पचपदरा विधायक अरुण चौधरी,धोद विधायक गोरधन वर्मा,राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई,पूर्व राज्यसभा सांसद रामनारायण डूडी,पूर्व विधायक पुखराज गर्ग,पूर्व महापौर घनश्याम ओझा,जगराम विश्नोई,राजाराम शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष जोगाराम पटेल,जगदीश देवासी, वीरेन्द्रप्रताप सिंह,मानाराम, प्रोफेसर केआर पटेल सहित जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अजमेर दरगाह में मंदिर विवाद 'चाय के प्याले में तूफान जैसा' : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने अजमेर दरगाह में मंदिर विवाद पर कहा है कि 'ये चाय के प्याले में तूफान जैसा है।' अभी न्यायालय ने वाद स्वीकार कर केवल नोटिस जारी किये हैं। अजमेर में एक सामाजिक कार्यक्रम में शिरकत करने आये राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने आज यहां सर्किट हाऊस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मामला न्यायालय में 'एडमिशन स्टेज' पर है। हर व्यक्ति को न्यायालय में बात रखने का अधिकार है लेकिन अभी न्यायालय ने कोई आदेश नहीं दिया हैय। हम सबका देश की न्याय व्यवस्था पर विश्वास है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विरोध करने का काम है , जबकि उपचुनाव में जनता आईना दिखा चुकी है। राठौड़ ने पहली वर्षगांठ की ओर बढ़ रही राज्य की भजनलाल शर्मा सरकार के नीतिगत निर्णय जनता के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अल्प समय में ही ऐतिहासिक कार्य किये है। उन्होंने गैर कानूनी तरीके से धर्मपरिवर्तन पर अध्यादेश लाने, कानून बनाने तथा दोषियों को 10 साल की सजा के प्रावधान को कपटपूर्ण तरीकों से धर्मपरिवर्तन के कामों पर शिकंजा लग सकेगा।

उन्होंने कहा कि 38 हजार करोड़ की अर्थव्यवस्था को आने निवेश के माध्यम से मजबूती मिलेगी। यह कोई साधारण काम नहीं है। उन्होंने कहा कि 11 माह के कालखंड में ही जनमानस पर खड़ा उतर रही भाजपा की भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार लम्बे अंतराल के बाद शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लघु एवं मध्य उद्योग के लिए 50 फीसदी तक का सहयोग का प्रस्ताव उल्लेखनीय है। सरकार की एक जिला-एक उत्पाद नीति भी क्षेत्रीय विकास में उल्लेखनीय है।

राठौड़ ने 'वन स्टे-वन इलैक्शन' के माध्यम से चुनाव की बात कही और कहा कि सरकार एक साथ चुनाव कराये जाने की पक्षधर है। उन्होंने कहा कि पहले पंचायत चुनाव 13 माह तक चलने का अनुभव किसी के लिए ठीक नहीं रहा। प्रधानमंत्री मोदी भी एक साथ चुनाव कराने के पक्षधर है। राज्य में सरकार के एक साल पूरा होने पर मंत्रीमंडल विस्तार के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। उन्होंने स्वयं का पार्टी का साधारण कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि वे मंत्री भी रह चुके। वह अपनी ओर से किसी पद के दावेदार नहीं है। पार्टी का जो आदेश मिलेगा, मान्य होग

चुनौतियों एवं हमलों ने अदाणी समूह को बनाया मजबूत : गौतम अदाणी

जयपुर/दक्षिण भारत। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा है कि अदाणी समूह को मिली चुनौतियों और इस पर हुए हमलों ने उन्हें और मजबूत बनाया हैं।

अदाणी शनिवार रात जयपुर 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवार्ड्स समारोह में बोल रहे थे। अमरीका में उन पर लगे आरोपों पर पहली बार बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसी चुनौतियो का सामना करना पड़ा है, जब जब चुनौतियां आई और हमले हुए उन्हें और मजबूत बनाता और यह बाधा अदाणी समूह के लिए सीढी बन जाती है। उन्होंने कहा कि अमरीकी डिपार्टमेंट आफ जस्टिस अभियोग मामले में तथ्य यह है कि बहुत सारी एकतरफा रिपोर्टिंग के बावजूद अदाणी पक्ष के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए के उल्लंघन या न्याय में बाधा डालने की किसी साजिश का आरोप नहीं लगाया गया हैं फिर भी आज की दुनिया में नकारात्मकता तेजी से फैलती है ।

अदाणी ने कहा इन वर्षों में मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं वे आगे होने की कीमत है, आपके सपने जितने साहसी होंगे दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी लेकिन आपकों आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिसमें आपकी कोई मदद नहीं करेगा।

भजनलाल कैबिनेट का ऐतिहासिक निर्णय है धर्मांतरण बिल : जवाहर सिंह बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान कैबिनेट में धर्मांतरण रोकने के लिए बिल को मंजूरी मिल गई है। इस विषय पर प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा की। जवाहर सिंह बेढम ने कहा, धर्मांतरण पर कानून बनाने को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्णय का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। इसकी आवश्यकता थी, क्योंकि बहला-फुसला कर, प्रलोभन देकर या जबरदस्ती धर्मांतरण की शिकायत जगह-जगह से आ रही थी। भाजपा नेता ने कहा कि किसी की आस्था और संस्कृति बचाने के लिए इसकी आवश्यकता थी। ऐसे में कल भजनलाल शर्मा की कैबिनेट ने जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, वो स्वागत योग्य है। यह बिल भजनलाल शर्मा के स्वयं के विवेक, सोच और राज्य के हित में लिए गए फैसले का आधार है।

बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन बिल 2024' को मंजूरी दी गई। कानून मंत्री जोगाराम पटेल इस बिल को राजस्थान के आगामी विधानसभा सत्र में पेश करेंगे। उन्होंने इस संबंध में पत्रकार वार्ता कर कहा, जिस तरह प्रदेश में धर्मांतरण के मामले प्रकाश में आए हैं, उसके मद्देनजर यह बिल विधानसभा में पेश किए जाने का फैसला किया गया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में 2021, मध्य प्रदेश में 2021, उत्तराखंड में 2018, गुजरात में 2021, हिमाचल प्रदेश में 2019, झारखंड में 2017 में, कर्नाटक में 2022, ओडिशा में 1967 में धर्मांतरण के विरुद्ध कानून बनाया जा चुके हैं। इसके अलावा, कई अन्य प्रदेशों में भी धर्मांतरण के विरुद्ध कानून बनाए गए हैं। इसे देखते अब हमने भी यह कदम उठाने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 2008 में वसुंधरा सरकार में धर्मांतरण बिल लाया गया था। 16 साल से यह बिल केंद्र के पास अटका हुआ था। जिसे अब तक राष्ट्रपति ने मंजूरी नहीं दी थी। लेकिन, अब वसुंधरा सरकार में पारित हुआ धर्मांतरण बिल भी भजनलाल सरकार वापस लेगी और धर्मांतरण पर नया बिल पेश करेगी।

विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शिकारपुरा आश्रम में राजाराम महाराज के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को रातानाडा गणेश मंदिर पहुँच कर दर्शन किए। उन्होंने भगवान गणेश जी की विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। साथ ही उन्होंने प्रदेश में आर्थिक उन्नति को समर्पित 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के सफल आयोजन की कामना की। संसदीय कार्य मंत्री ने शिकारपुरा आश्रम में राजाराम महाराज के दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना की। इस अवसर राजाराम महाराज आश्रम के संत दयाराम महाराज ने संसदीय कार्य मंत्री को जन्मदिवस पर आशीर्वाद देकर शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान शिकारपुरा सरपंच ओमाराम पटेल, आश्रम के ट्रस्टी हेमाराम जरमल सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

11 बाल श्रमिकों को करवाया मुक्त, बाल कल्याण इकाई को किया सुपुर्द

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला बालश्रम टास्क फोर्स ने रविवार को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टास्क फोर्स ने ऑटोमोबाइल रिपेयर की 7 दुकानों पर छापा मार कर वहां काम कर रहे 11 बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया। मुक्त करवाए गए सभी बाल श्रमिकों की आयु 11 से 15 वर्ष के बीच है। वरिष्ठ श्रम निरीक्षक श्रीमती अंकिता महर्षि ने बताया कि मुक्त करवाये गए बाल श्रमिकों को परामर्श एवं अस्थाई संरक्षण के लिए गांधी नगर स्थित बाल कल्याण समिति की टीम को सुपुर्द किया गया है।

गृह रक्षा संगठन का 62वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया

जयपुर। गृह रक्षा संगठन ने रविवार को अपने 62वें स्थापना दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर एक साप्ताहिक कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसका उद्घाटन एक रोमांचक वॉलीबॉल प्रतियोगिता के साथ हुआ। इस प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने भाग लिया और उत्साह के साथ एक-दूसरे को टक्कर दी। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल कर्मचारियों के बीच टीम भावना को बढ़ावा देना था बल्कि एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को भी प्रोत्साहित करना था।

पश्चिम बंगाल ने अन्य राज्यों को आलू नहीं बेचने दिया तो कल से हड़ताल : आलू व्यापारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के आलू व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य सरकार दूसरे राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध नहीं हटाती है तो वे मंगलवार को हड़ताल पर चले जाएंगे। पश्चिम बंगाल ने हाल ही में स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में पड़ोसी राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध फिर से लगा दिया है। स्थानीय बाजारों में आलू 35-40 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है। राज्य सरकार के फैसले के बाद, पुलिस ने राज्य से आलू के परिवहन को रोकने के लिए अंतर-राज्यीय सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। इसके कारण कई ट्रक सीमा पार से फंसे हुए हैं।

प्रगतिशील आलू व्यापारी संघ के सचिव लालू मुखर्जी ने पीटीआई-भाषा से कहा, अगर सरकार प्रतिबंध नहीं हटाती है तो हम मंगलवार से हड़ताल पर चले जाएंगे। उन्होंने सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, ऐसे अचानक उठाए गए कदमों से हमारा कारोबार बाधित होता है और भारी नुकसान होता है, क्योंकि हम अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी करने में विफल रहते हैं। व्यापारियों और कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशनों ने स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया और इसके लिए बिचौलियों की मुनाफाखोरी को जिम्मेदार ठहराया।

सोरेन ने आलू से लदे वाहनों को पश्चिम बंगाल की सीमा पर रोकने का संज्ञान लिया

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की पश्चिम बंगाल से लगी सीमा पर आलू से लदे वाहनों को ''रोके जाने'' का रविवार को संज्ञान लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वाहनों को रोके जाने से राज्य में आलू की आपूर्ति प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव अलका तिवारी को तत्काल प्रभाव से मामले से निपटने का निर्देश दिया। पश्चिम बंगाल के आलू व्यापारियों के एक संगठन के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार ने आलू का भंडार बनाए रखने और राज्य में आलू की कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए बृहस्पतिवार से आलू की अंतरराज्यीय आपूर्ति पर कथित रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर तिवारी ने मामले के निपटारे के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से फोन पर बात की। बयान में कहा गया, पंत ने आश्वासन दिया है कि आलू आपूर्ति के मुद्दे को सुलझाने के लिए जल्द ही एक समिति गठित की जाएगी। एक अधिकारी के अनुसार, पड़ोसी राज्य प. बंगाल द्वारा आलू की आपूर्ति सीमित कर दिए जाने के कारण झारखंड के खुदरा बाजार में दो दिनों में आलू की कीमत में पांच रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

हॉकी इंडिया ने एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय जूनियर महिला टीम की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। हॉकी इंडिया ने सात से 15 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में होने वाले आगामी महिला जूनियर एशिया कप के लिए रविवार को यहां ज्योति सिंह की अगुवाई में 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। पिछले साल दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर अपना पहला खिताब हासिल करने के बाद गत चैंपियन भारत बढ़ी हुई उम्मीदों के साथ इस टूर्नामेंट में भाग लेगा। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफायर का काम करेगा। इस विश्व कप के लिए हालांकि मेजबान देश का चयन होना बाकी है।

जूनियर महिला एशिया कप में 10 टीमें को दो पूल में विभाजित किया गया है। भारत को पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग चीन और श्रीलंका शामिल हैं। साक्षी राणा को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। निधि और अदिति माहेश्वरी के रूप में टीम में दो गोलकीपर है जबकि रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी मनीषा, ज्योति सिंह, लालथंतलुंगी, पूजा साहू और ममता ओरम संभालेंगी। मिडफील्ड में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीलिता टोप्पो, इशिका, रजनी केरकेट्टा, साक्षी राणा और खैदेम शिलेमा चानू जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं। अग्रिम पंक्ति में शामिल दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, कनिका सिवाच, मुमताज खान और लालरिनपुई पर टीम के लिए गोल करने की जिम्मेदारी होगी। बिनिमा धन और हिमांशी शरद गवांडे को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है।

संभल हिंसा: न्यायिक आयोग के सदस्यों ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग के दो सदस्यों ने रविवार को मस्जिद सहित शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

आयोग के प्रमुख एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी अरविंद कुमार जैन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद के पास कोट गर्वी इलाके में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। आयोग के तीसरे सदस्य पूर्व आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद इस दौरान मौजूद नहीं थे। मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बाद में बताया, आज (रविवार को) जांच आयोग के अध्यक्ष और एक अन्य सदस्य ने घटनास्थल का दौरा किया। उनका मुख्य उद्देश्य स्थल का निरीक्षण करना था। अधिकारी ने बताया, उन्होंने उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां गड़बड़ी हुई थी। टीम ने घटनास्थल एवं मस्जिद की जांच की और वहां मौजूद कुछ लोगों से बात की। टीम फिर से दौरा करेगी और दौरे का पूरा कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। वे निश्चित रूप से दोबारा आएंगे। उन्होंने बताया, संभल में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है। फिलहाल, जिलाधिकारी के आदेश 10 दिसंबर तक प्रभावी हैं और उसके बाद किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। हम साक्ष्य एकत्र करने की प्रक्रिया में हैं और अब तक इसमें शामिल 400 व्यक्तियों की पहचान कर चुके हैं। सिंह उस आदेश का हवाला दे रहे थे, जिसके तहत कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हिंसा प्रभावित संभल शहर में नेताओं, सामाजिक संगठनों या जनप्रतिनिधियों सहित बाहरी लोगों के सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना प्रवेश पर 10 दिसंबर तक रोक लगाई गई है। इस बीच, शाही जामा मस्जिद के इमाम आफताब हुसैन वारसी ने कहा, टीम करीब 15 मिनट तक रुकी और मस्जिद का निरीक्षण किया। मस्जिद प्रबंध समिति के सचिव मसूद फारूकी ने कहा, टीम ने हमसे कुछ नहीं पूछा। वे केवल जामा मस्जिद देखने आए थे और उसने घटनास्थल का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि वे बाद में बयान लेंगे।

दहेज प्रथा पर प्रहार व सामाजिक समता का प्रतीक है सामूहिक विवाह कार्यक्रम : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक हैं तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार भी है।

योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। योगी ने कहा, साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अश्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है।

मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज लेने और देने को न कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात वर्ष में तीन लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है। योगी ने संभावना जताते हुए कहा कि यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या चार लाख से अधिक हो चुकी होगी।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का विपक्ष पर तंज, 'देश बदल चुका है, बस तुम्हारा स्टेटस नहीं बदला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए रविवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश बदल चुका है लेकिन विपक्षी दलों का 'विपक्ष का दर्जा' अब तक नहीं बदला।

नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं। उन्होंने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कहा, ''मैं आज राजनीति नहीं करना चाहता हूं लेकिन कई लोग बोलते हैं कि देश में कुछ भी नहीं बदला है। मैं उन्हें बस इतना बोलता हूं कि तुम्हारा स्टेटस (दर्जा) नहीं बदला, बाकी सब बदल गया है। तुम विपक्ष के विपक्ष में ही रहे और ऐसे रहोगे, तो आगे भी ऐसे ही रहोगे।

नड्डा ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत के सफल अभियान का जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा के अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है।

भाजपा में मुझे दरकिनार किया जा रहा: ओडिशा के पूर्व मंत्री जयनारायण मिश्रा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पूर्व मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जयनारायण मिश्रा ने आरोप लगाया है कि उन्हें पार्टी में दरकिनार कर दिया गया है और उन्हें लगता है कि संगठन में उनका कोई महत्व नहीं है। मिश्रा ने भाजपा के वरिष्ठ नेता समीर डे के निधन पर शोक जताने के लिए शनिवार शाम हुई एक सभा के दौरान आरोप लगाया कि पार्टी उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि डे को उनके जीवनकाल में पार्टी में उचित महत्व नहीं दिया गया और वह भी इसी तरह की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

मिश्रा ने कहा, मेरे साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अतीत में भी एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) से बाहर निकाला जा चुका है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के लिए अब उनका कोई महत्व नहीं रह गया है। संबलपुर से विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी के नेता उन्हें परेशानी में डालने के लिए गुंर्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ एक पुख्ता योजना बनाई गई है। भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने मिश्रा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी में किसी को दरकिनार नहीं किया जाता। सामल ने कहा, भारतीय जनता पार्टी में सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को समान महत्व मिलता है।

इस्कॉन ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। इस्कॉन ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए रविवार को दुनिया भर के अपने विभिन्न केंद्रों में प्रार्थना सभाएं और कीर्तन आयोजित किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार ऐसी घटनाओं के 100 दिन बाद भी नहीं रुक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्कॉन के अनुयायियों ने दुनिया भर के 150 देशों में प्रार्थना सभाएं आयोजित कीं। दास ने कहा, हमने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना और कीर्तन का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि इस्कॉन के अनुयायियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए कोलकाता के अल्बर्ट रोड केंद्र में प्रार्थना और कीर्तन का आयोजन किया। प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यक संयुक्त राष्ट्र जैसे विश्व निकायों से सहायता और समर्थन मांग रहे हैं।

उत्तर प्रदेश: भारी मात्रा में नकली डीएपी बरामद, पांच लोग गिरफ्तार

जालौन/भाषा। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में पुलिस एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक साझा अभियान के तहत नकली डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) बोरियों में भरकर किसानों को बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में नकली डीएपी बरामद किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जालौन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि जिला कृषि अधिकारी गौरव यादव के नेतृत्व में कृषि विभाग के अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के एक संयुक्त कार्य बल ने जिले में नकली डीएपी के प्रचलन को रोकने के लिए कार्रवाई की। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई नदी गांव स्थित निखिल खाद भंडार से बड़े पैमाने पर नकली डीएपी निर्माण इकाई के संचालन के बारे में मिली सूचना के आधार पर की गई। नदी गांव कोतवाली और विशेष अभियान समूह (एसओजी) के अधिकारियों वाली टीम ने शनिवार को छापेमारी की, जो रविवार तक जारी रही।

नगालैंड का शासन 'विकास के लिए शांति और शांति के लिए विकास' पर आधारित है : रियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने रविवार को कहा कि नगालैंड का शासन ''विकास के लिए शांति और शांति के लिए विकास'' पर आधारित है। उन्होंने एकता, समावेशिता को बढ़ावा देने और राज्य के युवाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

राज्य के 62वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए रियो ने तत्कालीन राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन के कथनों को याद किया जिन्होंने नफरत और हिंसा का मुकाबला करने के लिए ''समझ और मित्रता'' पर आधारित समाज के निर्माण की बात कही थी। रियो ने कहा, ये कथन आज भी बहुद प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने नगालैंड के नागरिकों से समृद्ध भविष्य के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। रियो ने कहा, इस स्थापना दिवस पर मैं प्रत्येक नागरिक से लोगों के चेहरे पर मुस्कान और हमारे जीवन में खुशियां लाने के लिए मिलकर काम करने की अपील करता हूं। उन्होंने राज्य के विकास और समृद्धि के साझा सपने को साकार करने में सभी से योगदान देने का आग्रह किया। रियो ने कहा कि राज्य के सामने कई चुनौतियां हैं जिनमें विशेष रूप से नगा राजनीतिक मुद्दों से संबंधित चुनौतियां शामिल हैं। उन्होंने राज्य के भविष्य के विकास के लिए शांति, विकास और समावेशिता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि हॉर्नबिल महोत्सव समारोह में पिछले कुछ वर्षों में आगंतुकों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि 2023 में इस महोत्सव में 1.5 लाख से अधिक पर्यटक शामिल हुए, जिनमें से लगभग 40,000 पर्यटक राज्य के बाहर के थे। नगालैंड के युवाओं के लिए शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना के तहत, शिक्षा मंत्रालय ने दीमापुर और मोकोकचुंग में शैक्षणिक भवनों और कौशल केंद्रों के निर्माण के लिए 25 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

बांग्लादेश में भारतीय बस पर हमला किया गया: त्रिपुरा के परिवहन मंत्री का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने आरोप लगाया कि अगरतला से कोलकाता जा रही एक बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर हुई।

चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर बस की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, त्रिपुरा से कोलकाता जा रही 'श्यामोली परिवहन' बस पर बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया में विश्व रोड पर हमला किया गया। इस घटना से बस में सवार भारतीय यात्री सहम गए। बस अपनी लेन में चल रही थी, तभी एक ट्रक ने जानबूझकर उसे टक्कर मार दी। इस दौरान एक ऑटोरिक्शा बस के सामने आ गया और बस एवं ऑटोरिक्शा की टक्कर हो गई। उन्होंने कहा, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस में सवार भारतीय यात्रियों को धमकाना शुरू कर दिया। उन्होंने भारत विरोधी नारे भी लगाए और भारतीय यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं तथा पड़ोसी देश के प्रशासन से भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं।

सिंधू और लक्ष्य को एकल खिताब, त्रीसा-गायत्री की जोड़ी के नाम रहा महिला युगल खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। शीर्ष वरीय पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशलन बैडमिंटन टूर्नामेंट में दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए क्रमश: महिला और पुरुष एकल खिताब अपनी झोली में डाले। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू (18वीं रैंकिंग) ने चीन की वू लुओ यू (119वीं रैंकिंग) को 21-14 21-16 से मात देकर तीसरी दफा इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया और लंबे समय से चले आ रहा खिताब का सूखा समाप्त किया। वह इससे पहले 2017 और 2022 में भी ट्रॉफी जीत चुकी हैं।

पुरुष एकल फाइनल में 2021 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए खिताबी भिड़ंत में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 21-6, 21-7 से मात दी। पूर्व विश्व चैम्पियन 29 वर्ष की सिंधू ने दो साल बाद पोडियम पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने आखिरी खिताब जुलाई 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। इस साल वह मई में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में भी पहुंची। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक के प्लेऑफ में मिली निराशाजनक हार के बाद लक्ष्य की जीत राहत देने वाली है। इस जीत से निश्चित रूप से नए सत्र से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। भारतीय बैडमिंटन को दिन में जश्न मनाने का एक और मौका मिला जब त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी।

भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया। पृथ्वी और साइ ने

71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई। सिंधू पहले गेम में 8-5 से आगे थीं और वू की चुनौती के बावजूद 11-9 से दो अंकों की बढ़त हासिल करने में सफल रहीं। ब्रेक के बाद सिंधू ने 15-10 से बढ़त हासिल की। फिर रैलियों पर पकड़ बनाए रखी और आराम से पहला गेम जीत लिया। सिंधू दूसरे गेम में भी तेज शुरुआत करते हुए 3-0 से आगे हो ली, लेकिन वू ने जल्द ही स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया। चीन की बाएं हाथ की खिलाड़ी ने सटीक ड्रॉप शॉट से सिंधू को परेशान किया और ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद सिंधू ने वू को गलतियां करने पर मजबूर किया और एक तेज स्ट्रेट स्मैश और 'बॉडीलाइन स्मैश' की बदौलत 15-11 की बढ़त हासिल कर ली। फिर एक ताकतवर स्मैश से खिताब कब्जाने में सफल रहीं। लक्ष्य (23 वर्ष) पहले गेम में 8-0 से आगे थे। उनके तेज तर्रार खेल से तेह को संघर्ष करना पड़ा और सिंगापुर के खिलाड़ी ने कई सहज गलतियां कीं। तेह को दो आक्रामक रिटर्न से कुछ अंक हासिल करने में मदद की।

निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी: पीवी सिंधू

लखनऊ/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को कहा कि वह 'निश्चित रूप से' अगले कुछ वर्षों तक खेलती रहेंगी और उनके दिमाग में 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक बना रहेगा।

सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतकर लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म करने के बाद राहत व्यक्त की और उम्मीद जताई कि यह परिणाम उनके शानदार करियर में एक और सफल दौर की शुरुआत करेगा। इस 29 साल पूर्व विश्व चैंपियन ने अपने करियर के अंतिम चरण में चोट से मुक्त रहने की जरूरत पर जोर दिया। सिंधू ने संवाददाताओं से कहा, इस जीत से निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा। 29 वर्ष का होना कई मायनों में फायदेमंद है क्योंकि मेरे पास बहुत अनुभव है। स्मार्ट और अनुभवी होना महत्वपूर्ण है और मैं निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी। उन्होंने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य चोट से मुक्त रहना है जो बहुत महत्वपूर्ण है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक अब भी बहुत दूर हैं। मैं निश्चित रूप से खेलूंगी, लेकिन अहम चीज चोट से मुक्त रहना और खेल का आनंद लेना है। अगर मैं फिट रहती हूं तो क्यों नहीं?'' सिंधू ने फाइनल में चीन की विश्व नंबर 119 वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से हराकर टूर्नामेंट में तीसरी बार महिला एकल का खिताब जीता।

सुविचार

वक्त और किस्मत पर कभी घमंड ना करो, सुबह उनकी भी होती है जिनको कोई याद तक नहीं करता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रजनन दर और देश का भविष्य

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में देश की आबादी के बारे में जो टिप्पणी की, उससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि यह एक बहुत महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। अगर प्रजनन दर 2.1 हो तो उसे आदर्श माना जा सकता है। समस्या तब पैदा होती है, जब यह इससे बहुत नीचे चली जाए। आज जापान, द. कोरिया, चीन, इटली, ग्रीस जैसे कई देशों में प्रजनन दर बहुत कम हो गई है। इसके प्रभाव नजर आने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ दशक बाद यहां की आबादी में नौजवानों की हिस्सेदारी बहुत कम रह जाएगी, हर जगह बुजुर्ग ही नजर आएंगे। तब सवाल उठेंगे– कारखानों में काम कौन करेगा, खेती–बाड़ी में पसीना कौन बहाएगा, सरहद की रखवाली कौन करेगा और युद्ध की स्थिति में दुश्मन से कौन लड़ेगा? भारत में एक तरफ तो बहुत ज्यादा आबादी के कारण होने वाली समस्याओं की चर्चा की जाती है, दूसरी तरफ कुछ राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में कम प्रजनन दर का मुद्दा उठाया जाता है! इनमें से कौनसी बात सही है? वास्तव में दोनों ही बातें अपनी जगह सही हैं। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि भारत की कुल आबादी 140 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है, वहीं कुछ राज्यों में प्रजनन दर 2.1 से भी काफी कम हो चुकी है। यह तस्वीर असंतुलन की स्थिति को दर्शाती है, जिससे दो–तीन दशकों में कई समस्याएं पैदा होने की आशंका है। इसके साथ पलायन एक बड़ी समस्या है। आज उत्तराखंड के कई गांव ऐसे हैं, जहां गिनती के लोग बचे हैं। उनमें भी ज्यादातर बुजुर्ग हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति राजस्थान के कई गांवों में पैदा हो सकती है, जहां नौजवान तो पढ़ाई और नौकरी के लिए शहरों का रुख कर रहे हैं, जबकि खेत–खलिहान सूने पड़े हैं।

प्रजनन दर में भारी गिरावट की एक बड़ी वजह शहरीकरण है। जापान के नागोरो नामक गांव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। इसे बुजुर्गों का गांव कहा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में यहां प्रजनन दर में बहुत भारी गिरावट आ गई है। चूंकि नौजवानों को अपना भविष्य टोक्यो जैसे बड़े शहरों में दिखता है, लिहाजा वे एक–एक कर गांव छोड़कर चले गए। पीछे सिर्फ बुजुर्ग रह गए। निस्संदेह जापान के शहरों में रोजगार के बहुत अवसर हैं, लेकिन चुनौतियां कम नहीं हैं। वहां काम के भारी दबाव के कारण जापानी युवा शादी और परिवार बढ़ाने से मुंह मोड़ने लगे हैं। चीन, रूस, जापान, द. कोरिया जैसे कई देशों में सरकारें कोशिश कर रही हैं कि युवा शादी करें और भावी पीढ़ी को इस दुनिया में लाएं। इसके लिए स्थानीय प्रशासन वित्तीय सहायता समेत कई सुविधाएं दे रहा है। इसके बावजूद वहां प्रजनन दर में खास बढ़ोतरी देखने को नहीं मिल रही है। इसी साल अक्टूबर में एक रिपोर्ट ने सबका ध्यान आकर्षित किया था, जिसमें बताया गया था कि चीन में प्रजनन दर में भारी गिरावट के कारण सैकड़ों स्कूलों पर ताले लग गए हैं। पढ़ने के लिए बच्चे ही नहीं होंगे तो स्कूलों में कौन जाएगा? अगर भारत में प्रजनन दर से संबंधित आंकड़े पर गौर करें तो पता चलता है कि आजादी से लेकर अब तक इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई है। कई राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में यह 2.1 से कम हो गया है। हालांकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में यह कुछ ज्यादा है। हमें अन्य देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रजनन दर 2.1 से काफी नीचे जाने पर (पैदा होने वाली) समस्याओं की दस्तक उस समय सुनाई नहीं देती। लगभग दो दशक बाद उनका असर दिखाई देने लगता है। उसके बाद वे धीरे–धीरे बढ़ने लगती हैं। हालांकि इन समस्याओं को टाला जा सकता है। इसके लिए सरकारों को ये उपाय करने होंगे– सरकारी स्कूलों की हालत सुधारें, सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाएं, पलायन को रोकें, गांवों में रोजगार के अवसरों का सृजन करें, 'सिर्फ सरकारी नौकरी करूंगा/गी' – की धारणा को बदलें, स्वरोजगार को बढ़ावा दें, बेहद खर्चीली शादियों का महिमा–मंडन बंद करें, समाज में सद्भाव पर जोर दें। 'सादगी में भी संपन्नता' – के आदर्श का प्रसार करें।

ट्वीटर टॉक

चेन्नई स्थित वेल्स इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया, तथा छात्रों को उपाधि प्रदान कर शुभकामनाएं दीं।छात्रों की शिक्षण यात्रा का एक अहम पड़ाव ज़रूर है।

–ओम बिरला

'नए भारत' के शिल्पी, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की बाबा सांगा की पावन धरा सांगानेर के दादिया में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा के संदर्भ में आज सभा स्थल का निरीक्षण किया।

–भजनलाल शर्मा

जोधपुर में शोकाकुल परिवारजनों के बीच पहुँचकर उन्हें अपने हृदय की संवेदनाएँ प्रदान कीं। शोक सभाओं में दिवंगतों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। हमारा जोधपुर लोकसभा क्षेत्र पूरा एक परिवार है, जहां सुख–दुख बराबरी से साझा होता है।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मन की लगाम

स्वामी अनंतदेव अपने घोड़े पर सवार होकर एक गांव की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में एक राहगीर मिला। उसने संत से कहा कि मुझे अमुक गांव जाना है, थोड़ा साथ दे दो तो आपकी बड़ी कृपा होगी। संत अनंतदेव ने उसकी बात को स्वीकारा और अपने घोड़े पर बिठा लिया। बीच में राहगीर बोला, 'महाराज! आपके न बाल–बच्चे, न धंधा–न व्यापार, आप तो संत हैं, आप इस घोड़े का क्या करेंगे? हम गृहस्थ हैं। घोड़े का अधिक उपयोग तो हमारे लिए है। इसलिए कृपया ये घोड़ा मुझे दे दो तो आपकी बड़ी कृपा होगी।' संत अनंतदेव ने बोला, 'ठीक है, मैं तुम्हें घोड़ा दे दूंगा, लेकिन मेरी एक शर्त है कि आपका गांव तीन मील दूर है। जब तक गांव नहीं आता तुम्हें पूरे रास्ते केवल राम नाम जपना होगा और अगर एक बार भी 'राम, राम, राम' छूटा तो मैं घोड़ा नहीं दूंगा। यह सुनकर राहगीर ने सोचा कि साधु को अच्छा पटा लिया। घोड़ा अपनी गति से चल रहा था और राहगीर का मन उससे तेज गति से चल रहा था। उसने सोचा संत ने कहा है कि घोड़ा दूंगा, लेकिन लगाम की तो बात हुई नहीं। मुंह से 'राम–राम' बोल रहा है और मन में लगाम देंगे कि नहीं? कुछ समय बाद आखिर उसने पूछ ही लिया कि महाराज आप घोड़ा तो दोगे, लगाम दोगे कि नहीं?

सामयिक

एचआईवी संक्रमण के प्रति जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल

फोन: 9416740584.

प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी।

न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए 'एड्स' आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'टेक द राइट पाथ' (सही रास्ता अपनाएं) विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे–धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70–80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5–10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान–प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3–5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5–10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है।

फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र–पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित–प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार–प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छूआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है।

एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी। विश्व भर में एड्स की महामारी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को सुरक्षित सैक्स एवं अन्य आवश्यक सावधानियों के लिए भी प्रेरित करना होगा।

नजरिया

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक ष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे–छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार–बार कहा है भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे–छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है।

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह–अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों–मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है।

आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल–पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान कर्मयोद्धा कर रहा है।

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है।

वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन–संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी–बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन–दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है।

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पिता बनने तक चार समस्याओं का सामना करते हैं पुरुष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूकासल। एक पुरुष के पिता बनने से पहले उसके जीवन में कई तरह के बदलाव होते हैं। कई पुरुषों के लिए पिता बनना तनावपूर्ण हो सकता है, तो कुछ इस बदलाव के कारण खुद को अलग-थलग पाते हैं। फिर भी, पिताओं को अक्सर इस बदलाव का सामना करने में सहायता के लिए समर्थन एवं जानकारी तक पहुंच का अभाव रहता है।

सही जानकारी होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसके बिना पिता बनने वाले पुरुषों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है, जिनमें बच्चे के जन्म के बाद होने वाला अवसाद शामिल है और यह समस्या ब्रिटेन के दस में से एक पिता को प्रभावित करती है। पिता बनने तक पुरुषों द्वारा अनुभव की जाने वाली समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमने उन पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर उपलब्ध साक्ष्य की वैश्विक समीक्षा की। हमने अपनी समीक्षा में 37 अलग-अलग अध्ययनों को शामिल किया।

इन अध्ययनों में कई अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें गहन साक्षात्कार, फोन पर चर्चा और ऑनलाइन सर्वेक्षण शामिल हैं।

कुछ पुरुषों को पिता बनने के बाद जीवन में होने वाले परिवर्तन के दौरान सकारात्मक पहलुओं का अनुभव हुआ और उनके मानसिक स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ा जबकि दूसरों के लिए यह बदलाव अधिक चुनौतीपूर्ण लगा।

इन निष्कर्षों के आधार पर हमने चार ऐसी दिक्कतों को ढूंढ निकाला, जिन्हें पुरुषों ने पिता बनने पर अनुभव किया। पिता बनने तक पुरुषों द्वारा अनुभव की जाने वाली आम चुनौतियों को समझकर भविष्य में उन्हें सही सहायता और जानकारी प्रदान करना आसान हो सकता है।

साथी के साथ रिश्ते में

बदलाव

कई पुरुषों को पिता बनने के बाद अपने साथी के साथ मधुर रिश्ते में आए बदलाव और कभी-कभी उसके खत्म होने जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ता है। पिता बनने के साथ नई जिम्मेदारियों के कारण पुरुषों के पास आराम और दूसरी चीजों के लिए बहुत कम समय बचता है। पुरुषों के जीवन में होने वाले इस परिवर्तन के चलते कुछ दंपतियों के बीच दरार आयी, जिस वजह से पुरुषों की भावनात्मक स्थिति ख़राब हुई।

पिता बनने के बाद कुछ पुरुषों ने यह भी बताया कि उन्हें मां और शिशु के बीच के रिश्ते के कारण खुद को अलग-थलग महसूस करना पड़ा। अध्ययन में शामिल एक प्रतिभागी ने यहां तक कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा था कि 'मेरा बच्चा सिर्फ मेरी पत्नी का बच्चा है'। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि पिता बनने के बाद उसे ऐसा लगा कि उसकी अहमियत कम हो गई है।

पिता की भूमिका को लेकर असमंजस

पिता बनने के बाद कई पुरुषों में इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति थी कि आखिर उनसे क्या अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन में शामिल कई पुरुषों ने बताया कि वे पिता बनने के बाद इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं थे कि उन्हें घर के लिए कमाई करने वाले की भूमिका निभानी चाहिए या फिर बच्चे की देखभाल करने वाले पिता की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए। ज्यादातर पुरुषों ने सोचा कि दोनों भूमिकाएं महत्वपूर्ण हैं लेकिन अपने परिवार का आर्थिक रूप से समर्थन करने और अपने बच्चे व साथी के साथ समय बिताने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करना उन्हें बहुत 'तनावपूर्ण' लगा।

इस दौरान सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ने भी भूमिका निभाई, जिसमें विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के कुछ पिताओं ने महसूस किया कि परिवार का आर्थिक रूप से समर्थन करना सबसे महत्वपूर्ण है और बच्चे की देखभाल करना मां की जिम्मेदारी है।

भुलाए जाने और कमतर आंके जाने का अहसास

पिता बनने वाले पुरुषों ने पत्नी के प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर परामर्श तथा चिकित्सकों से मुलाकात के दौरान खुद को अलग-थलग महसूस किया। एक पिता ने यहां तक बताया कि ''नर्स ने मेरे चारों ओर पर्दा डाल दिया था।

कुछ पुरुषों ने स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों से अपमानजनक व्यवहार और उपहास का भी अनुभव किया। एक पिता ने बताया कि वह जिन स्वास्थ्य पेशेवरों के संपर्क में थे वे उनके साथ ऐसा व्यवहार करते थे मानो जैसे आप एक जरिया मात्र हैं और वे हंसते थे और कहते थे देखो, पिताजी परेशान हो रहे हैं।

अकेले जूझना

हमारी समीक्षा में शामिल ज्यादातर अध्ययनों में पिता बनने वाले पुरुषों की शारीरिक और भावनात्मक रूप से जांच की गई, लेकिन कई पुरुषों ने इस बदलाव के दौरान किसी भी भावनात्मक संघर्ष को स्वीकार नहीं करना चाहा। उनका मानना था कि एक पिता के रूप में आपको कमजोर नहीं दिखना चाहिए।

उद्घाटन

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को देहरादून में 50वें खलंगा मेले के उद्घाटन के दौरान।

शाहरुख खान ने 'जवान' देखने वाले जापान के प्रशंसकों का आभार जताया

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता शाहरुख खान ने जापान में अपने प्रशंसकों का 'जवान' फिल्म देखने के लिए रविवार को आभार व्यक्त किया। एटली द्वारा निर्देशित यह थ्रिलर फिल्म सितंबर 2023 में रिलीज हुई थी और इसने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1,100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। शाहरुख के प्रशंसकों के एक पेज पर जापान के एक सिनेमा हॉल में प्रदर्शित इस फिल्म के पोस्टर का वीडियो साझा किया गया जिसके जवाब में अभिनेता ने कहा, जापान में 'जवान' को मिल रहे प्यार के बारे में पढ़ रहा हूं।

श्रीवल्ली के बिना पुष्पा फ्रेंचाइजी अधूरी : अल्लू अर्जुन

मुंबई/एजेन्सी

अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' की रिलीज का इंतजार कर रहे तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने फिल्म में अपनी सह-कलाकार रश्मिका मंदाना की जमकर तारीफ की। हाल ही में फिल्म की स्टार कास्ट को फिल्म की प्रमोशन के लिए मुंबई में एक प्रेस कार्यक्रम में देखा गया। जहां फिल्म के हीरो अल्लू अर्जुन फिल्म की अभिनेत्री रश्मिका की तारीफ करते नजर आए। उन्होंने कहा कि श्रीवल्ली के किरदार के बिना 'पुष्पा' फ्रैंचाइजी एकदम अधूरी है। कार्यक्रम के दौरान अल्लू अर्जुन ने रश्मिका के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह एक खास तरह की शख्सियत है। वह अपने आस-पास मौजूद सभी लोगों का साथ देती है। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैं दो मिनट का समय निकालकर इस फिल्म के लिए उनके द्वारा किए गए हर काम के लिए उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उनका समर्थन बहुत बड़ा है। श्रीवल्ली के समर्थन के बिना यह फिल्म पूरी नहीं हो सकती। मैं और मेरे निर्देशक उनके बहुत प्रशंसक हैं, क्योंकि हम हर दिन शूटिंग करते रहते हैं और वह कभी-कभार आती हैं। जब वह आती हैं, तो वे दिन बहुत खास होता है। वह सेट पर बेहद ही सकारात्मक ऊर्जा लेकर आती हैं।

अल्लू अर्जुन द्वारा रश्मिका के योगदान को दिल से स्वीकार करना

न केवल उनके सौहार्द को दर्शाता है, बल्कि एक उनके व्यक्तित्व को भी निखारता है। स्टार ने आगे कहा, वह ऐसी ही अभिनेत्रियों के साथ काम करना चाहते हैं। जो दुनिया में अपना नाम रोशन करना जानती हैं। दुनिया को ऐसी और लड़कियों की जरूरत है। एक ऐसे समय पर जब हम सब तुलना करते हैं और कहते हैं 'ओह, लड़कियां आज ऐसी हैं, आज वैसी हैं, वह ऐसी लड़की है, जहां आप कह सकते हैं कि ऐसी लड़कियां भी दुनिया को बेहतर बना सकती हैं।'' सुकुमार द्वारा निर्देशित 'पुष्पा 2: द रूल' में फहाद फासिल भी हैं। इस फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने किया है और इसका संगीत टी सीरीज ने दिया है। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी।

अजमेर दरगाह सर्वेक्षण : पूर्व नौकरशाहों ने मोदी को लिखा पत्र, 'अवैध' गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। एक स्थानीय अदालत की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण का आदेश देने के कुछ दिनों बाद पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उन सभी अवैध और हानिकारक गतिविधियों को रोकने लगाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है, जो भारत की सभ्यतागत विरासत पर वैचारिक हमला हैं और एक समावेशी देश के विचार को विकृत करती हैं। समूह ने दावा किया कि सिर्फ प्रधानमंत्री सभी अवैध, हानिकारक गतिविधियों को रोक सकते हैं। उसने मोदी को याद दिलाया कि उन्होंने खुद 12वीं शताब्दी के संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर शांति और सद्भाव के उनके संदेश को सम्मान देते हुए चादर भेजी थी।

समूह में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, ब्रिटेन में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, सेना के पूर्व उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीरा गुप्ता शामिल हैं। उन्होंने 29 नवंबर को प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि कुछ अज्ञात समूह हिंदू हितों का प्रतिनिधित्व करने का दावा कर रहे हैं और यह साबित करने के लिए मध्ययुगीन मस्जिदों तथा

दरगाहों के पुरातात्विक सर्वेक्षण की मांग कर रहे हैं कि इन स्थलों पर पहले मंदिर हुआ करते थे।

समूह ने कहा, पूजा स्थल अधिनियम के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद अदालतें भी ऐसी मांगों पर अनुचित तत्परता और जल्दबाजी के साथ प्रतिक्रिया देती नजर आती हैं।

दो हस्ताक्षरकर्ताओं ने पत्र के विषय-वस्तु की पुष्टि की। समूह ने कहा, उदाहरण के लिए, एक स्थानीय अदालत का सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की 12वीं सदी की दरगाह के सर्वेक्षण का आदेश देना अकल्पनीय लगता है, जो एशिया में न केवल मुसलमानों के लिए, बल्कि उन सभी भारतीयों के लिए सबसे पवित्र सूफी स्थलों में से एक है, जिन्हें हमारी समन्वयवादी और बहुलवादी परंपराओं पर गर्व है।

उसने कहा, यह विचार ही हास्यास्पद है कि एक भिक्षुक संत, एक फकीर, जो भारतीय उपमहाद्वीप के अद्वितीय सूफी/भक्ति आंदोलन का एक अभिन्न अंग था और करुणा, सहिष्णुता एवं सद्भाव का प्रतीक था, अपने अधिकार का दावा करने के लिए किसी भी मंदिर को नष्ट कर सकता था। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा यह दावा करने के बाद कि दरगाह मूल रूप से एक शिव मंदिर थी, अजमेर की एक सिविल अदालत ने 27 नवंबर को अजमेर दरगाह समिति, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को नोटिस जारी किया था।

रैली

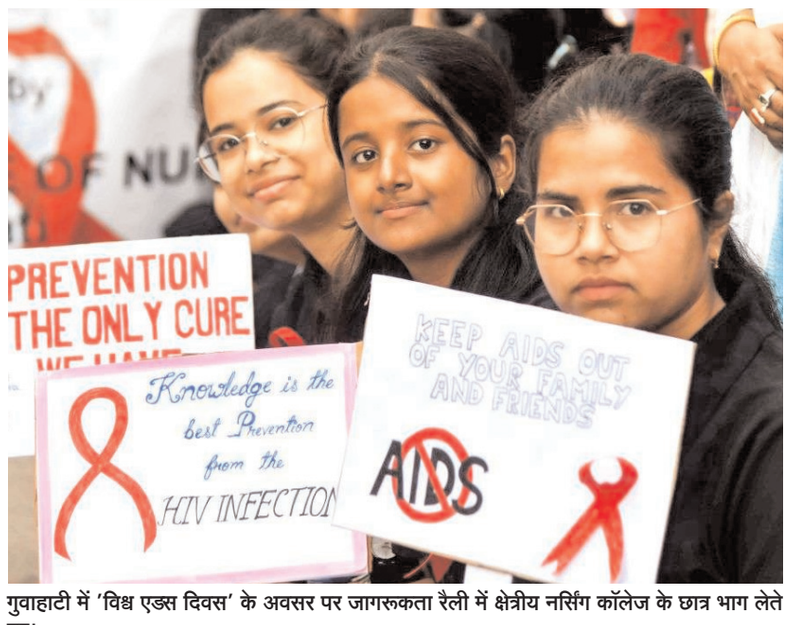

गुवाहाटी में 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर जागरूकता रैली में क्षेत्रीय नर्सिंग कॉलेज के छात्र भाग लेते हुए।

मेला

प्रयागराज में रविवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में शिल्प मेला उत्सव के दौरान देवी काली के वेश में कलाकार।

नागपुर में रविवार को नागपुर में ऑरेंज सिटी कैनाइन क्लब द्वारा आयोजित ऑरेंज सिटी डॉग शो के दौरान अपने कुत्ते के साथ एक महिला।

रजनीकांत की 'जेलर 2' का पोस्टर आउट

मुंबई/एजेन्सी

'थलाइवा' की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जेलर 2' का नया पोस्टर आ चुका है। बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर हिट का टैग लेने वाली रजनीकांत की फिल्म के नए पोस्टर में हर एक कैरेक्टर का दमदार लुक सामने आया है। प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़े पोस्टर्स शेयर कर कैप्शन में लिखा, जब 'जेलर' के कैरेक्टर्स इंचार्ज हों तो कोई आधा-अधूरा काम नहीं होता। पहली पोस्टर में रजनीकांत अपने दमदार अंदाज में दिख रहे हैं और उनकी हाथ में बंदूक है। वहीं, दूसरी में मोहनलाल, शिवा राजकुमार के साथ ही जैकी श्रॉफ समेत अन्य मंझे हुए सितारे हैं। फिल्म में 'लियो' अभिनेत्री राम्या कृष्णन, तमन्ना भाटिया, योगी बाबू और वसंत रवि जैसे शानदार सितारे लिस्ट में शामिल हैं। 'जेलर 2' के लेखक और निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं। यह फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है, जिसका टाइटल मेकर्स ने 'जेलर 2' दिया है। 'जेलर' सिनेमाघरों में हिंदी के साथ ही तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई थी और ब्लॉकबस्टर हुई थी। यह एक रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन के जीवन की कहानी है। फिल्म में जेलर के रूप में थलाइवा रजनीकांत दमदार अंदाज में नजर आए थे।

सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित, फिल्म में रजनीकांत के साथ ही राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन, तमन्ना भाटिया और मास्टर ऋत्विक भी महत्वपूर्ण रोल में थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रजनीकांत के दामाद और साउथ एक्टर धनुष भी 'जेलर 2' में नजर आ सकते हैं। हालांकि, इसकी अभी प्रोडक्शन हाउस ने पुष्टि नहीं की है।

फिल्म 'विदामुयारची' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अजित कुमार अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विदामुयार्ची' का टीज़र रिलीज़ कर दिया गया है। लाइका प्रोडक्शंस ने एक्स पर फिल्म विदामुयारची के टीजर की झलक पेश की।टीज़र एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है, जिसमें छिपे हुए उद्देश्यों वाले पात्रों को दिखाया गया है और विदेशी स्थानों की पृष्ठभूमि पर सेट किया गया है। अजित कुमार आकर्षक लग रहे हैं।

टीज़र में, वह अपनी घड़ी देखते, अपनी कार का का दरवाजा खोलते और फिर गाड़ी चलाते हुए दिखाई देते हैं। उनकी तृषा कृष्णन से मुलाकात, कुछ खोजते और गहन एक्शन दृश्यों में शामिल होने की झलक भी मिलती है। एक आकर्षक दृश्य में उसे खून से लथपथ और घुटनों के बल गिरते हुए दिखाया गया है, जो उसके चरित्र के सामने आने वाली चुनौतियों का संकेत देता है।

टीज़र से, ऐसा प्रतीत होता है कि अर्जुन सरजा और रेजिना कैसेंड्रा ने विरोधी भूमिकायें निभाई हैं, जैसा कि शुरुआती क्षणों में उनकी भयावह हंसी से पता चलता है। तृषा कृष्णन भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म विदामुयारची का निर्देशन मागीज़ थिरुमेनी ने किया है और लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। विदामुयारची 10 जनवरी 2025 को पोंगल पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'सिकंदर का मुकद्दर' में तमन्ना भाटिया की मासूमियत को मिली व्यापक प्रशंसा

मुंबई/एजेन्सी

तमन्ना भाटिया की 'सिकंदर का मुकद्दर' में उनके अभिनय में मासूमियत झलकती है तमन्ना भाटिया अभिनीत बहुप्रतीक्षित डकैती ड्रामा 'सिकंदर का मुकद्दर' का आखिरकार प्रीमियर हो गया है, और कामिनी शर्मा के रूप में उनका प्रदर्शन हर जगह दिल जीत रहा है। स्वाभाविक और सूक्ष्म तरीके से भूमिका निभाया है, तमन्ना ने कामिनी को असाधारण परिस्थितियों में फंसी एक निर्दोष व्यक्ति के रूप में चित्रित किया। कहानी छ60 करोड़ के हीरों की एक बड़ी चोरी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें कामिनी खुद को प्रमुख संदिग्धों में से एक पाती है।

तमन्ना का नेचुरल और वास्तविक प्रदर्शन फिल्म के सार को जीवंत कर देता है। फिल्म में कामिनी के पति सिकंदर शर्मा की भूमिका में अविनाश तिवारी और जांच का नेतृत्व करने वाले एक दृढ़ पुलिसकर्मी जसविंदर सिंह की भूमिका में जिमी शेरगिल भी शामिल हैं। अविनाश तिवारी के साथ उनकी ताज़ा ऑनस्क्रीन जोड़ी अपनी केमिस्ट्री और प्रामाणिकता के लिए काफी प्रशंसा बटोर रही है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित, यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है और बेहतरीन मनोरंजन का वादा करती है। इस बीच, तमन्ना ने हाल ही में अपने बहुप्रतीक्षित तेलुगु प्रोजेक्ट, 'ओडेला 2' की शूटिंग पूरी की, और अपने अगले प्रोजेक्ट, करण जौहर की 'डेयरिंग पार्टनर्स' के लिए तैयारी कर रही हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट के साथ, वह अपनी काबिलियत साबित करती रहती हैं और 'सिकंदर का मुकद्दर' इंडस्ट्री में सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत करती है।

8

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 02-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रविवार को तिरुमला पर हो रहे कल्प वृक्ष वाहन सेवा के दौरान विभिन्न कला मंडलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

मेवाड़ संघ कोयम्बटूर की वार्षिक सभा 26 जनवरी को होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां रविवार को मेवाड़ संघ की वार्षिक सभा के आयोजन पर चर्चा हुई। प्रमोद सांभर के आवास पर मेवाड़ संघ के सभी सदस्य एकत्रित हुए. संघ के गणमान्य और वरिष्ठ सदस्यों ने मेवाड़ संघ की वार्षिक सभा का आयोजन 26 जनवरी को आयोजित करने पर चर्चा की और मेवाड़ संघ के सभी सदस्यों के परिवार को एकत्रित कर स्नेह मिलन पर अपनी सहमति दी। मेवाड़ संघ के गणमान्य सदस्य घीसूलाल हिंगड़, दीपक बम्ब, शिवराज सुराणा, प्रमोद सांभर, रोबिन बाबेल, पुखराज श्रीश्रीमाल, राजेंद्र तारावत एवं अन्य सदस्यों ने चर्चा मे भाग लिया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को रिटेन स्माइलज़ एवं लायंस क्लब ऑफ़ आवडी के संयुक्त तत्वावधान मेंफेंगल चक्रवात से प्रभावित आवडी स्थित गोवर्धन नगर क्षेत्र में 200 परिवारों को दैनिक जरूरत की सामग्री वितरित की गई। लॉयंस क्लब के अध्यक्ष राहुल बोहरा ने बताया कि भारी बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में दूध, ब्रेड आदि वस्तुओं की सप्लाई नहीं होने से स्थानीय जनता को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। हमने जरुरतमंदों को कुछ राहत पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने इस मौके पर सहयोग करने वालों का आभार जताया।

जैन यूथ सोसाइटी ने जरुरतमंदों को दिए कृत्रिम पैर की सौगात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहाँ रविवार को जैन यूथ सोसाइटी चेरिटेबल अस्पताल, नारायण नगर में जेवाईएस और जीवन ज्योति ट्रस्ट, इरोड के संयुक्त तत्वावधान में आवश्यकमंद लोगों को कृत्रिम पैर वितरण शिविर का आयोजन किया गया। ट्रस्ट चेयरमैन विरेन्द्र कुमार सेठिया ने बताया कि चक्रवात फेंगल के प्रभाव से पिछले चौबीस घंटों से सेलम में हो रही अनवरत बारिश से लग रहा था कि शिविर को स्थगित करना पड़ सकता है, परंतु कैंप लगा और लाभार्थी अच्छी संख्या में शिविर स्थल तक पहुंचे। इससे यह स्पष्ट होता है कि नेक इरादे और सेवा भावना से किये गये किसी भी कार्य को कैसा भी तूफ़ान क्यूँ न हो, बाधित नहीं कर सकता।

जेवाईएस अस्पताल संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार पिंचा ने जानकारी देते हुए कहा कि तीन बजे तक इकतालीस पैरों का माप लिया जा चुका था और संख्या में थोड़ी वृद्धि और हो सकती है। बारिश की वजह से जो कुछेक सदस्य आज साधन के अभाव में शिविर स्थल तक नहीं पहुंच सके उनको माप देने के लिए इरोड भेजने की उचित व्यवस्था करने का जेवाईएस ने निर्णय लिया।

कोषाध्यक्ष प्रवीण बोहरा ने बताया कि सेलम के ही जेयम अनैथ ट्रस्ट के वी जय शंकरन ने नगर के समीपवर्ती गांवों तक इस शिविर आयोजन की सूचना को प्रसारित कर आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका। लाभार्थियों में पांच सात महिलायें भी शामिल है। सभी को उनके मापानुसार तैयार कृत्रिम पैर जनवरी में वितरित किये जाएंगे। जैन समाज के अनेकों सदस्य ने इस शिविर के लिये उदारमना अर्थ सहयोग जेवाईएस को प्रदान किया। संस्था के लगभग बाइस सदस्यों ने अपनी सेवा देकर सहयोग किया।

जिनकुशलसूरी दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष ने साध्वीश्री हर्षपूर्णाश्री के दर्शन किए

धार्मिक पुस्तक का किया विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिन कुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने होसपेट में विराजित साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी की सुशिष्या श्री हर्षपूर्णाश्रीजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस मौके पर आराधना भवन में आयोजित पार्श्व पद्मावती महापूजन में तेजराज मालानी ने मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थिति प्रदान की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष मालानी ने 'नित्य पाठ' नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर साथ में होसपेट के बाबूलाल पालरेचा, दीपचंद तातेड, महेन्द्र पालरेचा आदि कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरपुरु में मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में 1 दिसम्बर को संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ गणेशराम गणेश कैटर्गी, गणपति पालीयम में हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ मंडल की ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, एवं सत्संग प्रेमी सुभाष गुप्ता, भागीरथ, मनोज, पवन, हिरालाल सरोज, शिव भगवान, लखन सैन, संदीप , हरीश, सुनिल, गोपाल शाह, विष्णु बोहरा, कार्तिक, राजेंद्र, अरविंद, उमाशंकर, गोपाल, सागर, महेंद्र , रमेश आदि उपस्थित थे।

देश में एड्स से जुड़ी मौतों में 79 प्रतिशत की गिरावट, नए मामले 44 फीसद घटे : नड्डा

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार को बताया कि देश में वर्ष 2010 के मुकाबले 2023 में एड्स के नए मामलों में 44 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जबकि एचआईवी संक्रमण से जुड़ी मौतों में 79 प्रतिशत की कमी देखी गई। उन्होंने वर्ष 2030 तक एड्स के खात्मे के सतत विकास लक्ष्य के प्रति देश की तेज प्रगति का ब्यौरा देते हुए यह बात कही। नड्डा ने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में सरकारी आंकड़ों के हवाले से बताया कि देश में फिलहाल करीब 17.30 लाख लोग एड्स से पीड़ित हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्ष 2030 तक एड्स को जड़ से मिटाने को लेकर संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है।

नड्डा ने बताया कि इस लक्ष्य को पाने के लिए जांच और चिकित्सा के नवीन उपाय अपनाए जाएंगे तथा एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017 को पूरी तरह लागू किया जाएगा।

ईडी ने धनशोधन मामले में राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा को अश्लील फिल्मों के कथित वितरण से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुंद्रा को मामले के जांच अधिकारी के समक्ष सोमवार को पेश होने के लिए कहा गया है, लेकिन अगर वह सोमवार को नहीं आ सकते तो सप्ताह में किसी और दिन पेश हो सकते हैं।

'अमृतवाणी' में राम जानकी विवाह समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अमृतवाणी सत्संग मण्डल परिवार चेन्नई के सान्निध्य में श्री राम जानकी विवाह समारोह का आयोजन 1 दिसम्बर को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इसमें सर्वप्रथम गणेश वंदना /गुरु वंदना /मां सरस्वती वंदना के बाद अमृतवाणी पाठ सामूहिक रूप से किया गया। इसके बाद भजनों का सिलसिला शुरू हुआ। 'मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे राम आएंगे। आओ मेरी सखियों मुझे मेहंदी लगा दो। राम धुन होने दो प्रेम रस बरस रहा।' इस शुभ अवसर पर हमारे मंडल के सदस्य राजेंद्र भट्टर के पुत्र चिराग-सिमरन के शुभ विवाह भट्टर परिवार की तरफ से सभी सदस्यों को मिठाई बांटी गई। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां रविवार को श्री विश्वकर्मा सुथार विकास संस्थान कोयंबटूर का पहला दिवाली स्नेह मिलन संपन्न हुआ। कोवाई कोड़ाटम में आयोजित इस स्नेह मिलन में अनेक सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.